हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 84 बेमेतरा, गुरुवार 12 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ का परचम, बिल्हा ने हासिल किया देश में पहला स्थान, रायपुर, बिलासपुर भी पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों उप मुख्यमंत्री अरुण साव, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा व महापौरों ने ग्रहण किया राष्ट्रीय पुरस्कार

20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिल्हा ने देश में हासिल किया प्रथम स्थान



रायपुर। स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर पंचायत बिल्हा का 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि है।

जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों का जायजा लेने धरमजयगढ़ पहुंचीं स्मृति ईरानी



रायगढ़। छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी प्रभारी स्मृति ईरानी ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ पहुंचकर आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम और वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धरमजयगढ़ में प्रस्तावित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के शामिल होने का कार्यक्रम है। उनके प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर स्मृति ईरानी ने पार्टी के नेताओं के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, आगंतुकों के बैठने की सुविधा तथा कार्यक्रम से जुड़ी अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े जिम्मेदार कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है।

धरमजयगढ़ में प्रस्तावित आयोजन को लेकर भाजपा संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

शुभेंदु ने ममता के वीआईपी कल्चर पर निशाना साधा



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार की रात प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास हरीश चटर्जी स्ट्रीट का दौरा किया और तृणमूल कांग्रेस के वीआईपी कल्चर पर निशाना साधते हुए वहां लगायी गयी पाबंदियों के बारे में बताया। अधिकारी ने बनर्जी का सीधे नाम लिए बिना उनके आवास के आसपास की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाये। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकरी रिहायशी सड़क को एक तरह से 'प्रतिबंधित क्षेत्र' में बदल दिया गया था, जहां बैरिकेड्स, गाडरील्स, सुरक्षा जांच और अन्य रुकावटों की वजह से आम निवासियों और कारोबारियों का जीवन मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, वहां एक अलग तरह की व्यवस्था थी। लोगों को मानो कैद में रहना पड़ रहा था। सड़क को बैरिकेड्स और गाडरील्स से बंद कर दिया गया था; वहां जांच और कई तरह की पाबंदियां थीं। यहां तक कि छोटे व्यापारी और कुम्हार भी अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे थे। वहां एक अजीब सी व्यवस्था लागू थी। अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री बनर्जी की सुरक्षा और वीआईपी इंतजामों को लेकर तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें ऐसा माहौल चाहिए था, तो वह घनी आबादी वाले इलाके में रहने के बजाय कहीं और कोई बड़ी जगह चुन सकती थीं। उन्होंने कहा, उनके पास पैसों की कोई कमी नहीं है। उनके पास बहुत पैसा है। वह कहीं और फार्महाउस बनाकर रह सकती थीं। लेकिन यह एक घनी आबादी वाला इलाका है, और यहां हर चीज के लिए कुछ नियम-कायदे होने चाहिए। अधिकारी के इन बयानों ने कल हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर किए गए दौरे को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने कई काली पूजा पंडालों में जाकर लोगों से बातचीत की थी और अपनी पूर्ववर्ती के आवास के बाहर भी रुके थे। मुख्यमंत्री ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से जुड़े विवाद पर भी बात की, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि वह चल रही जांच पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाई दूज की बधाई दी, भाई-बहन के अटूट प्रेम के बंधन के उत्सव का त्योहार बताया



नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस त्योहार को भाई-बहन के बीच गहरे स्नेह, आत्मीयता और अटूट बंधन का उत्सव बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश में अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, भाई दूज के पावन अवसर पर देश भर के मेरे सभी परिवारजनों को हार्दिक बधाई। इस त्योहार के भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भाई दूज भाई-बहन के गहरे रिश्ते की मिठास और आत्मीयता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, इस शुभ अवसर पर, मैं सभी के लिए सुख और समृद्धि की कामना करता हूं। भाई दूज (जिसे उत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में 'भाई टीका' और पश्चिम बंगाल में 'भाई फोंटा' के नाम से भी जाना जाता है) दिवाली के बाद, हिंदू चंद्र कैलेंडर के कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष के दूसरे दिन मनाया जाता है।

यह त्योहार भाई-बहन के विशेष बंधन को समर्पित है। इस दिन बहनें पारंपरिक रूप से अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं और उनकी खुशी, समृद्धि और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री के खिलाफआरएसएस संबंधी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस में शिकायत



बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को गोला-बारूद की जब्ती से जोड़ने वाले आरोपों को लेकर भाजपा और कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे के बीच राजनीतिक टकराव और बढ़ गया। खरगे के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर भ्रामक जानकारी और छेड़छाड़ की गई तस्वीर साझा करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। बेंगलुरु के बनशंकरी पुलिस थाने में तेजस ए. गौड़ा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192, 196 और 353 के तहत खड़गे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि खरगे की पोस्ट से गलत जानकारी फैल सकती है, तनाव पैदा हो सकता है और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। पुलिस ने हालांकि अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। यह विवाद खरगे की उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने बिहार और हरियाणा में 44,250 कारतूसों की बरामदगी को लेकर आरएसएस और भाजपा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने गोला-बारूद की जब्ती से जुड़े कुछ लोगों और आरएसएस स्वयंसेवकों के बीच कथित समानता की ओर ध्यान दिलाते हुए इस घटना में संगठन की संभावित भूमिका पर सवाल उठाए थे। उनकी पोस्ट पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और खरगे से अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा।

मदर डेयरी के दूध के दाम गुरुवार से प्रति लीटर दो से चार रुपये तक हो जाएंगे महंगे

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने गुरुवार से विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। मदर डेयरी के आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, परिचालन लागत में हुई वृद्धि की आंशिक भरपाई करने के उद्देश्य से दूध के दामों में यह बढ़ोतरी की जा रही है। नयी दरें कल से उन सभी क्षेत्रों में प्रभावी हो जाएंगी जहां मदर डेयरी का दूध आपूर्ति किया जाता है। इस बढ़ोतरी के तहत सबसे ज्यादा 4 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि फुल क्रीम दूध में की गई है, जिसके बाद इसका पैकेट 72 रुपये से बढ़कर अब 76 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। वहीं, मदर डेयरी का लोकप्रिय गाय का दूध 3 रुपये प्रति लीटर महंगा होकर 62 रुपये की जगह 65 रुपये प्रति लीटर मिलेगा।

एफएसएसएआई ने जुलाई 2028 से दूध और उससे बने उत्पादों पर 'डेयरी लोगो' लगाना किया अनिवार्य

नयी दिल्ली। भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक (एफएसएसएआई) ने एक जुलाई 2028 से दूध और उससे बने उत्पादों (जिनमें मिश्रित दूध उत्पाद भी शामिल हैं) पर एक मानक लोगो लगाना अनिवार्य कर दिया है। ये उत्पाद एफएसएसएआई के डेयरी मानकों के दायरे में आते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने छह नवंबर को अंतिम नियम अधिसूचित किया। इसके तहत 'खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020' में संशोधन किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि दूध और दूध से बने सभी उत्पादों (मिश्रित दूध उत्पादों सहित) पर यह लोगो होना चाहिए। यह बात 2011 के खाद्य उत्पाद मानकों के तहत परिभाषित श्रेणियों के संदर्भ में कही गई है। इस वर्गाकार (स्क्वायर) लोगो का न्यूनतम आकार, पैकेज के मुख्य डिस्प्ले पैनल के क्षेत्रफल पर निर्भर करेगा। 100 वर्ग सेमी तक के पैनल पर इसकी प्रत्येक भुजा कम से कम 6 मिमी की होनी चाहिए, 100 से 500 वर्ग सेमी तक के पैनल पर 8 मिमी, 500 से 2,500 वर्ग सेमी तक के पैनल पर 12 मिमी, और इससे बड़े पैनल पर 16 मिमी होनी चाहिए। इस संशोधन में लोगो के भीतर मौजूद 'ड्रॉप' की न्यूनतम ऊंचाई और चौड़ाई भी तय की गई है। एफएसएसएआई ने फरवरी 2025 में सार्वजनिक टिप्पणी के लिए जारी किए गए मसौदे पर मिली आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद, केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी से ये अंतिम नियम जारी किए हैं।

करीब पौने दो करोड़ रुपये की उठाईगिरी मामले में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलताए 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

मोती ज्वेलर्स उठाईगिरी कांड का पुलिस ने किया खुलासाए महिला गैंग निकली मास्टरमाइंडय नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार





जगदलपुर। शहर के बहुचर्चित मोती ज्वेलर्स उठाईगिरी कांड का बस्तर पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला गैंग का पर्दाफाश किया है। करीब पौने दो करोड़ रुपये की इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने नाबालिग समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरी वारदात के पीछे एक महिला गैंग की प्रमुख भूमिका थीए जिसे घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बस्तर पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान घटनास्थल सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों की गतिविधियों का बारीकी से विश्लेषण किया गया। लगातार जांच के बाद पुलिस की टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिलेए जिसके आधार पर जांच का दायरा रायकोट इलाके तक पहुंचा।

सुराग मिलने के बाद पुलिस टीम ने संबंधित क्षेत्र में करीब दो दिनों तक लगातार निगरानी रखी। सघन छानबीन और सुनियोजित कार्रवाई के बाद पुलिस ने जंगलों में आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। इसके बाद नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसारए गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और जांच में महिला गैंग की संलिप्तता सामने आई है। इस गिरोह की भूमिका वारदात की योजना और उसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण बताई जा रही है। करीब पौने दो करोड़ रुपये की इस बड़ी उठाईगिरी का खुलासा बस्तर पुलिस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। फिलहाल मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इसरो ने जीएसएलवी-एफ19 मिशन के क्रायोजेनिक इंजन का किया सफल परीक्षण

चेन्नई। जीएसएलवी-एफ18/एनवीएस-03 मिशन की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएलवी-एफ19 रॉकेट के क्रायोजेनिक इंजन के तीसरे चरण की टेस्टिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह परीक्षण पांच नवंबर 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में किया गया। इसरो ने एक बयान में बताया कि परीक्षण के दौरान इंजन के मुख्य हिस्से (मेन इंजन) और गैस जनरेटर को तय योजना के अनुसार चालू किया गया। इंजन के लगातार संचालन के दौरान उसका प्रदर्शन सामान्य रहा और पहले से लगाए गए अनुमान के अनुरूप पाया गया। यह परीक्षण 200 सेकंड तक चला। इसरो ने इंजन के प्रदर्शन को संतोषजनक बताया है। अब इस इंजन को जीएसएलवी-एफ19 मिशन के क्रायोजेनिक चरण में लगाया जाएगा। इस मिशन के तहत एनवीएस-04 नेविगेशन उपग्रह को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इससे पहले 28 अक्टूबर को जीएसएलवी-एफ18 ने अपनी 20वीं उड़ान में एनवीएस-03 नेविगेशन उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया था। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सफलतापूर्वक किया गया था। उपग्रह में लगे एलएएम इंजनों को चार बार चालू कर कक्षा में बदलाव किया गया। इसके बाद 30 अक्टूबर 2026 को रात 23:51 बजे एनवीएस-03 को 170.3 किलोमीटर गुणा 38,080 किलोमीटर की भूस्थिर कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। एनवीएस-03 दूसरी पीढ़ी की नेविगेशन उपग्रह प्रणाली का तीसरा उपग्रह है। इसका उद्देश्य पहली पीढ़ी की भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस) की सेवाओं को लगातार जारी रखना है।

बेमेतरा पुलिस की जुआरियों पर बड़ी कार्रवाई, एक दिन में 123 गिरफ्तार; 3.12 लाख रुपये नकद जब्त

पांच दिनों में जुए के 106 प्रकरण दर्ज, 539 जुआरियों पर कार्रवाई कर 6.03 लाख रुपये से अधिक की रकम जब्त

मूक पत्रिका

बेमेतरा – जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ बेमेतरा पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में जुआ-सट्टा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 9 नवंबर को साइबर सेल सहित विभिन्न थाना एवं चौकी की पुलिस टीमों ने अलग-अलग गांवों में एक साथ छापेमारी कर जुआ खेल रहे 123 लोगों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं जुआ फड़ से कुल 3 लाख 12 हजार 640 रुपये नकद और 52 पत्ती ताश जब्त की है। इस संबंध में जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कुल 21 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का



एवं एसडीओपी बेरला श्रीमती रुचि वर्मा के मार्गदर्शन में की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने जिले के विभिन्न ग्रामों में सार्वजनिक स्थानों पर दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान ग्राम भैंसामुड़ा, देवरबीजा, चोटमर्रा, मरतरा, घोठा, जुनवानी कला, झिरिया, पौसरी, जांता, बहरबोड़, भंवरदा, कोदवा, बिरनपुर, चोंगीखपरी, सांकरा, पतोरा एवं रेवे सहित अन्य स्थानों पर छापेमारी की गई। इसके अलावा हथीडोब से सनडोंगरी जाने वाले कच्चे मार्ग पर कपास खेत के पास भी पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस को देखकर कुछ लोग मौके से भाग निकले, जबकि कई जुआरियों को पकड़ लिया गया।

पुलिस ने पकड़े गए लोगों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तार लोगों में देवचरण साहू, सतीश कहार, राकेश यादव, संतोष यादव, प्रहलाद साहू, राजू मेहर, दिलहरण पटेल, सनत राजपूत, जयंत वर्मा एवं हेमंत साहू सहित कुल 123 लोग शामिल हैं।

पांच दिनों में 539 जुआरियों पर कार्रवाई

बेमेतरा पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच दिनों में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में जुआ के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया है। इस दौरान कुल 106 प्रकरण दर्ज कर 539 जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस ने इनके कब्जे एवं जुआ फड़ से कुल 6 लाख 3 हजार 595 रुपये नकद और 52 पत्ती ताश जब्त किए हैं।

यह कार्रवाई थाना बेमेतरा, नवागढ़, नांदघाट, दाढ़ी, खम्हरिया, बेरला, चंदनू, साजा, परपोड़ी तथा चौकी मारो, देवकर, खंडसरा, देवरबीजा, कंडरका एवं संबलपुर क्षेत्र में की गई।

अवैध गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर

बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीले पदार्थ, जुआ-सट्टा सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में साइबर सेल सहित विभिन्न थाना एवं चौकी के प्रभारी और पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की लगातार कार्रवाई से जिले में अवैध जुआ गतिविधियों में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

भोजपुर चौक में मारपीट कर लूट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

गले पर लोहे का हथियार अड़ाकर 400 रुपये लूटने का आरोप, चांपा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मूक पत्रिका



चांपा। भोजपुर चौक के पास युवक को कथित रूप से धमकाकर लूटपाट और मारपीट करने के मामले में चांपा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।पुलिस के अनुसार ग्राम दगौरी, थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर निवासी राजेश मांझी दीपावली मनाने अपने मामा के घर चांपा आया था। 9 नवंबर की सुबह वह अपने रिश्तेदार लकेश्वर मांझी के साथ साइकिल से कपड़े खरीदकर लौट रहा था। इसी दौरान भोजपुर चौक के पास दो युवकों ने उन्हें रोक लिया। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए प्रार्थी को जान से मारने की धमकी दी और उसके गले पर लोहे का धारदार हथियार अड़ाकर 400 रुपये ले लिए। आरोप है कि आरोपियों ने साइकिल के टायर और डंडे को भी नुकसान पहुंचाया। 112 वाहन को आते देख आरोपी मौके से फरार हो गए।मामले में चांपा थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने बेलदारपारा निवासी गौरव साहू (18 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दूसरे आरोपी विनय उर्फ बाल्मीकि की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार शेंडे सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मगुरु बालदास साहेब जी ने की घोषणा, समर्थकों एवं समाजजनों में हर्ष का माहौल

लोकेश भारद्वाज बने अखिल भारतीय सतनाम सेना के जिलाध्यक्ष

मूक पत्रिका

सक्ती। अखिल भारतीय सतनाम सेना के संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वज धर्मगुरु बालदास साहेब ने श्लोकेश भारद्वाज को जिला सक्ती (छत्तीसगढ़) का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मगुरु बालदास साहेब द्वारा की गई।लोकेश भारद्वाज को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर सतनाम समाज एवं संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर समाजजनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अखिल भारतीय सतनाम सेना जिला सक्ती में और अधिक मजबूत होगी।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष लोकेश भारद्वाज ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए धर्मगुरु बालदास साहेब छ. ग. शासन के कैबिनेट मंत्री एवं अखिल भारतीय सतनाम सेना के प्रदेश अध्यक्ष धर्मगुरु खुशवंत साहेब ने संगठन की विस्तार सहित समाज के हितो मे कार्य करने हेतु निर्देशित करते हुए बधाई दी वही संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक उत्थान के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। सतनाम समाज में इस नियुक्ति को संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा

कलेक्टर जयश्री जैन ने बड़े सीपत, नगझर, चारपारा एवं कुरदा धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

मूक पत्रिका



सक्ती । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती जयश्री जैन ने बीते बुधवार को जिले के बड़े सीपत, नगझर, चारपारा एवं कुरदा धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर धान खरीदी की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, जनरेटर एवं इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बायोमेट्रिक डिवाइस एवं आद्रतामापी यंत्र की उपलब्धता और उनके कैलिब्रेशन की स्थिति की भी जांच की। इसके साथ ही नए पीडीएस एवं पुराने बारदानों की उपलब्धता, बारदानों की सिलाई व्यवस्था, तिरपाल, रंग एवं सुतली तथा धान की गुणवत्ता जांच के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में आवश्यक्ताओ के अनुरूप कर्मचारियों एवं हमालों की उपलब्धता, फड़ में धान भंडारण के लिए पर्याप्त जगह, चबूतरों की स्थिति, किसानों के लिए पेयजल, शौचालय एवं प्राथमिक उपचार पेटी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने समर्थन मूल्य के प्रदर्शन, निगरानी समिति की नियुक्ति तथा सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए है। कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने कहा कि खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होनी है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी धान खरीदी केंद्रों में शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा खरीदी कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर नवीन भगत सहित धान खरीदी कार्य से जुड़े संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, ग्रामीणों की सूचना पर दो आरोपी गिरफ्तार, नकदी और चांदी के जेवर बरामद

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। थाना क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवर चोरी करने के मामले में बम्हनीडीह पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। ग्रामीणों की सूचना और घेराबंदी से दोनों आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस के अनुसार 10 नवंबर की रात आरोपियों ने किशुन चंद्रभाष के सूने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में रखी अलमारियों के लॉक तोड़कर 2,500 रुपये नकद और चांदी के जेवर चोरी कर लिए। चोरी किए गए सामान में एक जोड़ी पायल, मंगलसूत्र, दो अंगूठियां और बिछिया शामिल हैं। ग्रामीणों ने आरोपियों की गतिविधियों को देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घेराबंदी कर कपिस्दा निवासी सोनू कुमार साहू (25 वर्ष) और रितेश कुमार पटेल (26 वर्ष) को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कथित रूप से वारदात में शामिल होने की जानकारी दी। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के चांदी के जेवर, नकदी तथा ताला तोड़ने में प्रयुक्त पाना और पेचकस बरामद किया है। घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है।दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल सहित बम्हनीडीह पुलिस टीम की भूमिका रही।

ग्राम अमचो में बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई दूज का पर्व

बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर खिलाई मिठाई, सुखी, स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की÷

मूक पत्रिका



बेमेतरा। ग्राम अमचो में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक भाई दूज का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया गया। दीपावली पर्व के बाद मनाए जाने वाले इस विशेष त्योहार को लेकर गांव में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने पूजा की थाली सजाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी।इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों को मिठाई खिलाकर उनके सुखमय, स्वस्थ, दीर्घायु एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों के प्रति स्नेह और सम्मान प्रकट करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए तथा जीवनभर साथ निभाने का संकल्प दोहराया। भाई-बहनों ने एक-दूसरे के साथ समय बिताकर इस पर्व की खुशियां साझा कीं।भाई दूज केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और आत्मीयता के रिश्ते को मजबूत करने का पर्व है। भारतीय संस्कृति में इस त्योहार का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन बहनों द्वारा भाइयों के माथे पर तिलक लगाने और उनकी मंगलकामना करने से भाई के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

ग्राम अमचो में इस पर्व के दौरान पारिवारिक एकता, आपसी प्रेम और सामाजिक सद्भाव की सुंदर झलक देखने को मिली। लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। आधुनिकता के दौर में भी ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक त्योहारों के प्रति लोगों का उत्साह और आस्था भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखने का संदेश दे रही है।

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता,गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का पावन पर्व-साय

- हमारी संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान, कृषि और ग्रामीण जीवन की समृद्धि से जुड़ी है गौसेवा की परंपरा : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सपत्नीक की गौमाता की पूजा-अर्चना

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर जशपुर जिले के बगिया स्थित निवास में धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने गौमाता को तिलक लगाकर उनका पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रदेशवासियों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की प्रार्थना की तथा प्रदेश के खेत-खलिहान सदैव धन-धान्य से परिपूर्ण रहने की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सनातन संस्कृति में प्रकृति, गौवंश और कृषि जीवन



के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन लीला के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण, जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और सामूहिक कल्याण का जो संदेश दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता को पूजनीय स्थान प्राप्त है। गौवंश हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रहा है। गौसेवा केवल हमारी धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता तथा संरक्षण की हमारी सांस्कृतिक चेतना की भी अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमें स्मरण कराता है कि मानव जीवन की समृद्धि प्रकृति के साथ संतुलन और सहअस्तित्व में निहित है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा करने की पौराणिक कथा हमें संकट के समय एकजुटता, परस्पर सहयोग और लोककल्याण की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से छत्तीसगढ़ का हर परिवार सुखी और समृद्ध रहे, किसानों के खेतों में भरपूर फसल हो तथा प्रदेश निरंतर प्रगति और खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति में भी गौवंश, खेती-किसानी और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था रही है। गोवर्धन पूजा के साथ मनाया जाने वाला गौरा-गौरी पर्व हमारी समृद्ध लोकपरंपराओं और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने के साथ समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

KFC इंडिया ने पेश किया सॉसी ऑल-न्यू कोरियन डंक्ड रेंज

नईदिल्ली। यह फेस्टिव सीजन बहुत ज्यादा सॉसी होने वाला है। KFC इंडिया ने पेश की है, ऑल-न्यू कोरियन डंक्ड रेंज, जिसमें है KFC के सिग्नेचर क्रिस्पी चिकन के साथ बोल्ड कोरियन फ्लेवर्स। गोचुजंग हीट, टोस्टेड सीसेम और उमामी किक के साथ इसकी हर बाईट फ्लेवर में डंक्ड है। क्रिस्पी चिकन। एंडलेस सॉस। और बहुत सारा ड्रिप। इस नई रेंज में चस्नष्ट का सिग्नेचर क्रंच पंची सॉस के साथ मिलेगा, जो हर बाईट को फ्लेवर में ड्रिप कर देता है। तो आपका KFC फेवराइट चाहे जो हो, पर अब आप उसका स्वाद कोरियन पंच के साथ ले सकेंगे। यह रेंज बोल्ड सॉसी कोरियन अपग्रेड के साथ KFC के सिग्नेचर मेन्यू आइटम्स लेकर आई है, जिसमें क्लासिक जिंगर बर्गर से लेकर बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स, ज्यूसी विंग्स और हॉट एंड क्रिस्पी शामिल हैं। ऑल-न्यू कोरियन डंक्ड रेंज 10 नवंबर 2026 से भारत में 1,400 से अधिक KFC रेस्टोरेंट्स पर डाइन-इन और टेक-अवे के लिए उपलब्ध होगी। इसका शुरुआती मूल्य ?89 है। इसे चस्नष्ट ऐप, वेबसाईट और प्रमुख फूड डिलीवरी ऐप्स से ऑर्डर भी किया जा सकता है। तो इंतजार ना करें, बल्कि तुरंत ऑल-न्यू कोरियन डंक्ड रेंज ऑर्डर करें!

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में ताबड़तोड़ दिवालिया हो रही ट्रांसपोर्ट कंपनियां, इस बार टूट सकता है 23 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। वहां होने वाली हर गतिविधि



का बाकी दुनिया पर असर देखने को मिलता है। डीजल की रिकॉर्ड कीमत ने अमेरिका पर असर दिखाना शुरू कर दिया है। वहां की ट्रकिंग इंडस्ट्री यानी ट्रांसपोर्ट बिजनेस की हालत पतली हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ी 221 कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि इसी तरह चलता रहा तो इस बार 23 साल का रिकॉर्ड टूट सकता है। अमेरिका में यह लगातार तीसरा साल है जब 220 से ज्यादा ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई हैं। इससे पहले 2021 और 2022 में 100 से कम ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या 200 के नीचे थी। ब्लूमबर्ग के एक सर्वे के मुताबिक देश की करीब 66 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियों का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले इस बार फ्लैट रहा है या इसमें गिरावट आई है। इसमें वे कंपनियां शामिल हैं जिनके पास 20 या उससे कम ट्रक हैं। सर्वे के मुताबिक 40 फीसदी छोटी ट्रकिंग कंपनियां अगले छह महीनों में इंडस्ट्री को छोड़ने की तैयारी में हैं या अपने भविष्य को लेकर कुछ नहीं कह सकते हैं। अमेरिका में डीजल की कीमत में काफी तेजी आई है। साथ ही इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा होने और हायर इंटरेस्ट रेट से छोटी ट्रकिंग कंपनियों की हालत खस्ता होती जा रही हैं। अमेरिका में साल 2001 में रिकॉर्ड ट्रांसपोर्ट कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इनकी संख्या 300 से अधिक थी। उसके अगले साल यानी 2002 में भी यह संख्या 250 से अधिक थी। 2003 में करीब 240 ट्रकिंग कंपनियां दिवालिया हुई थीं। इस बार यह संख्या उसके बार पहुंच सकती है।

2026 में 81 प्रतिशत का रिटर्न, 52 वीक हाई पर स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवीज़ लैबोरेटरीज़ के शेयरों की कीमतों में आज फिर से तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम आज 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ा गया है। जिसके बाद स्टॉक 52 वीक हाई पर पहुंच गया। बता दें, कल रविवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। तब कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई थी। रविवार को मुहूर्त सेशन के शेयर बाजार खुला था। आज बीएसई में कंपनी का शेयर 11105 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बीएसई में 11818 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 5648 रुपये है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 3.05 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के लिए दूसरी तिमाही काफी शानदार साबित हुई है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 प्रतिशत बढ़ गया है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 1127 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई से सितंबर के दौरान कंपनी का रेवन्यू 3676 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी की आय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी, गोल्डमैन स्कैस और जेपी मॉर्गन कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर बुलिश है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड न्यूट्रल रेटिंग दे रहा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटी ने स्टॉक के लिए रेटिंग दी है। इस ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को 9600 रुपये से बढ़ाकर 12000 रुपये कर दिया है। बीते 6 महीने के दौरान स्टॉक की कीमतों में 71 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 2026 में स्टॉक का दाम 81 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले इनवेस्टर्स को अबतक 72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

रुपये की लंबी छलांग, डॉलर के मुकाबले सात महीने के टॉप पर

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी से आज रुपये की कीमत में काफी उछाल देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.70 पर पहुंच गया। यह इसका 7 महीने का उच्चतम स्तर है। पिछले सत्र में रुपया 93.98 पर बंद हुआ था। पिछले हफ्ते रुपये की कीमत में डॉलर के मुकाबले एक फीसदी से ज्यादा तेजी रही।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत, एफआईआई इनफ्लो, डॉलर इंडेक्स और ग्लोबल मार्केट में होने वाले डेवलपमेंट्स पर रहेगी। इसी से रुपये की चाल तय होगी। पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में 4 अरब डॉलर से अधिक की खरीदारी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 13,749.82 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। भारत अपनी जरूरत का करीब



90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत में 1 डॉलर प्रति बैरल की तेजी से भारत का सालाना आयात बिल करीब 2 अरब डॉलर बढ़ जाता है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ता है। कच्चा तेल भारत में सबसे ज्यादा आयात होने वाली चीज है। अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा बड़ा उपभोक्ता है। इस बीच अधिकांश एशियन करेंसीज की कीमत में सोमवार को गिरावट आई है। अमेरिका में पेरोल के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे हैं। इससे यह संभावना मजबूत हो गई है कि फेडरल रिजर्व दिसंबर में ब्याज दरें बढ़ा सकता है। ब्रेंट क्रूड अभी 0.11 फीसदी गिरावट के साथ 98.21 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान पर फिर से हमले की संभावना कम है।

विदेशी निवेशकों की वापसी

साउथ कोरिया और ताइवान के शेयरों में पिछले हफ्ते गिरावट आई। इससे विदेशी निवेशकों ने वहां से पैसा निकालकर भारतीय बाजार में लगाया। इस कारण रुपये में भी मजबूती देखने को मिली। अमेरिका में हाल में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बंपर जीत से अमेरिका और एशिया में टेक शेयरों में गिरावट आई। निवेशकों को डर है कि इससे एआई सेक्टर की ग्रोथ पर ब्रेक लग सकती है। पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई। इससे भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय एसेट्स का रुख किया। कैपिटल फ्लो और कच्चे तेल की ऊंची कीमत से पिछले कुछ महीनों से रुपये पर भारी दबाव था। लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह दबाव कम हुआ है। विदेशी निवेशकों ने फिर से भारतीय बाजार का रुख करना शुरू कर दिया है जबकि तेल की कीमत में भी गिरावट आई है।

कार और बाइक इंश्योरेंस के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी कोई नई गाड़ी जैसे कार या बाइक लेता है तो उसका इंश्योरेंस कराता है। इंश्योरेंस किसी भी वाहन और उसके मालिक के लिए एक वित्तीय कवच के रूप में काम करता है।



यह गाड़ी के खो जाने, चोरी होने, एक्सीडेंट होने और किसी प्रकार के नुकसान होने समेत अन्य स्थितियों में नियम के तहत बीमा कंपनी के द्वारा आर्थिक मदद करता है। ऐसे में एक शब्द है जीरो डेप्रिसिएशन कवर। सामान्य इंश्योरेंस में यह नहीं मिलता है बल्कि इसको अलग से ऐड ऑन कराना होता है। तेजी के साथ बदलते समय और गाड़ियों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच लोगों में बीमा के साथ जीरो डेप्रिसिएशन कवर लेने का मामला तेजी से बढ़ा है। एक्सपर्ट इसे आपकी कार और बाइक (उदाहरण के लिए) के लिए बहुत ही अहम मानते हैं। आखिर कार या बाइक के लिए जीरो डेप्रिसिएशन कवर क्यों जरूरी है और यह सामान्य बीमा से कितना फायदेमंद है। आमतौर पर कई लोग कार या बाइक का सामान्य इंश्योरेंस कराते हैं, जिसमें जीरो डेप्रिसिएशन कवर शामिल नहीं होता है। ऐसे में क्या होता है कि जब आपकी कार या बाइक का एक्सीडेंट (दुर्भाग्य से) होता है तो उसके कुछ पार्ट्स जैसे प्लास्टिक, मेटल, रबर और फाइबर समेत अन्य को भी नुकसान पहुंच सकता है।

चाय के साथ खाने वाले मुरमुरे को बनाया बिजनेस, हरियाणा की निधि ने 5 लाख लगाकर 6 महीने में कमाए 2.5 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में चाय के साथ नमकीन और स्नैक्स खाने का शौक हर घर में है, लेकिन बाजार में मिलने वाले ज्यादातर विकल्प या तो अत्यधिक तले-भुने होते हैं या बेहद महंगे। हरियाणा की रहने वाली 29 वर्षीया निधि मित्तल ने इसी अंतर को समझा और



एक नया बिजनेस आइडिया तैयार किया। अपनी पीएचडी की पढ़ाई बीच में छोड़कर उन्होंने पफ्ड नाम से एक हेल्दी और किफायती स्नैक ब्रांड खड़ा कर दिया। इसने ब्रांड ने 6 महीने में अच्छी कमाई कर ली है। कॉमर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद निधि ने साल 2019 में पीएचडी में दाखिला लिया और साथ में ट्यूशन भी पढ़ाती थीं। फरवरी 2023 में शादी के बाद जब उन्होंने घर के लिए राशन और स्नैक्स की खरीदारी शुरू की, तो महसूस किया कि बाजार में बच्चों और बुजुर्गों के लिए पौष्टिक और बजट-फ्रेंडली स्नैक्स की कमी है। स्टार्टअप पेडिया के मुताबिक तकरीबन 5 साल तक पढ़ाई करने के बाद जून 2024 में उन्होंने पीएचडी छोड़ने का कड़ा फैसला लिया और कारोबार की राह पर निकल पड़ीं। निधि ने अक्टूबर 2024 में श्री श्याम कार्ट के तहत अपने ब्रांड पफ्ड का रजिस्ट्रेशन कराया। विदेशी या महंगे इंग्रीडिएंट्स के बजाय उन्होंने हर भारतीय घर में आसानी से मिलने वाले मुरमुरे को चुना। शुरुआत में उन्होंने इसे तीन अलग-अलग स्वादों (टमरिक तड़का, मसाला मस्ती और स्मोकी साउथ ट्विस्ट) में पेश किया। एफएसएसएआई लाइसेंस और ट्रेडमार्क जैसे कागजी काम पूरे करने के बाद उन्होंने जुलाई से सितंबर 2025 के बीच लोकल दुकानों और परिचितों में सैंपल बांटे। ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर जब पता चला कि मसाला मुरमुरे पर टिक नहीं पा रहा है, तो निधि ने पैकेट के साथ मसाले का एक अलग से पाउच देना शुरू कर दिया ताकि लोग स्वादानुसार मसाला मिला सकें। अक्टूबर 2025 से पफ्ड की कमर्शियल बिक्री शुरू हुई। निधि ने अपनी निजी बचत से 5 लाख रुपये लगाकर इस काम की शुरुआत की। बिना किसी बाहरी फंडिंग के उन्होंने अपनी कमाई को ही दोबारा बिजनेस में लगाया। मई 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक पफ्ड ने 650 से ज्यादा पैकेट बेचकर करीब 6 महीने में ही करीब 2.5 लाख रुपये का रेवेन्यू हासिल कर लिया है। वर्तमान में इनकी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए देशभर में डिलीवरी हो रही है और जल्द ही यह क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध होगा। शुरुआती 3 फ्लेवर की सफलता के बाद अब यह स्नैक ब्लैक पेपर बर्स्ट, टैंगी ट्रेल, चिली चटकाका और क्लासिक साल्ट समेत 7 अलग-अलग फ्लेवर में उपलब्ध है। इसके 130 ग्राम के पैकेट की कीमत 299 रुपये रखी गई है।साल 2026 में उनकी योजना मखाना और चिप्स जैसे नए प्रोडक्ट्स को नए फ्लेवर्स में लॉन्च करने की है।

केवल तीन साल के लिए 1,00,000 करें फिक्स, बैंक की इस शानदार स्कीम से होगी तगड़ी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई बैंक अपने ग्राहकों को फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कि एफडी की सुविधा देते हैं। एफडी में कोई भी ग्राहक एक तय समय के लिए एकमुश्त राशि को एक निश्चित ब्याज पर बैंक में जमा करता है। समय पूरा होने पर उसे ब्याज सहित मैच्योरिटी मिलती है।

इस बीच हम यहां देश के सबसे बड़े सरकारी बैंकों में से एक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एफडी की बात कर रहे हैं। यह बैंक कई प्रकार की एफडी योजना चलाता है, लेकिन फिलहाल हम इसकी तीन साल वाली एफडी स्कीम के बारे में जानने जा रहे हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि अगर कोई एक लाख रुपये की एफडी तीन साल के लिए करा रहा है तो उसे मैच्योरिटी पर कितने रुपये मिल सकते हैं। इनमें सामान्य नागरिक और वरिष्ठ नागरिक दोनों ही शामिल है। आइए अब इन्हें आसान गणित के साथ समझें।

सबसे पहले हम तीन साल की एफडी के लिए एसबीआई के ब्याज को जानेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपनी तीन साल की सावधि जमा योजना (फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम) पर सामान्य नागरिक को 6.30 फीसदी का सालाना ब्याज देता है।

वहीं, वरिष्ठ नागरिकों (60 साल या उससे अधिक की उम्र वाले लोग) को यह इस अवधि के लिए 6.80 फीसदी सालाना ब्याज देता है। बैंक की ये ब्याज दरें 15 दिसंबर 2025 से लागू वाली हैं। हालांकि, इन दरों में एसबीआई कभी भी बदलाव कर सकता है। अधिक जानकारी और लेटेस्ट ब्याज दर के लिए आप बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

एसबीआई तीन साल की एफडी पर कितना ब्याज देता है



एक लाख रुपया 3 साल की एफडी में कितना बन जाएगा

अब यहां सवाल यह है कि अगर कोई एसबीआई की इस एफडी में तीन साल के लिए एक लाख रुपया एकमुश्त जमा कर रहा है तो उसे तीन साल बाद कितने रुपये की मैच्योरिटी मिल सकती है आइए इसे नीचे बनाए गए टेबल में समझते हैं, जिसमें सामान्य नागरिक और वरिष्ठ नागरिक दोनों के लिए ब्याज दरें और मैच्योरिटी राशि बताई गई हैं।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि इन आंकड़ों को किसी विशेष बैंक की पक्की मैच्योरिटी राशि नहीं माना जाना चाहिए। अंतिम मैच्योरिटी राशि यहां बताए गए आंकड़ों से अलग हो सकती है। इसलिए, 1 लाख रुपये के निवेश पर मिलने वाली सटीक मैच्योरिटी राशि जानने के लिए संबंधित बैंक से संपर्क करना ही बेहतर होगा।

क्रेडिट स्कोर बिगड़ने की 4 बड़ी वजहें, लोन लेने से पहले तुरंत सुधार लें ये गलतियां; वरना पछताएंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी। जब कोई भी व्यक्ति या ग्राहक बैंक या वित्तीय संस्था से लोन लेने के लिए उसके पास जाता है तो लोन देने वाले की ओर से संबंधित ग्राहक का क्रेडिट स्कोर चेक किया जाता है। क्रेडिट स्कोर, बैंक के सामने आपकी वित्तीय जानकारी, लोन चुकाने की क्षमता, विश्वसनीयता और हिस्ट्री समेत अन्य जरूरी डिटेल्स को देता है। बैंक इस स्कोर के आधार पर ही आपके लिए यह तय करता है कि आपको लोन देना है या नहीं।

आमतौर पर लोन के लिए 750 का सिबिल स्कोर अच्छा माना जाता है, लेकिन सिबिल या क्रेडिट स्कोर 750 से नीचे होने पर लोन मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर बिगड़ चुका है तो बैंक आपको लोन देने से मना भी कर सकता है। ऐसे में यह बात जानना बहुत जरूरी है कि वे क्या बड़ी वजहें हो सकती हैं जो आपके क्रेडिट स्कोर को खराब कर



देती हैं। लोन लेने से पहले इसे कैसे सुधार सकते हैं आइए इनके बारे में जानते हैं।

क्रेडिट स्कोर बिगड़ने की कई वजहें हो सकती हैं, लेकिन हम उनमें से 4 बड़ी वजहों को यहां बता रहे हैं, जो इस प्रकार से हैं- अगर आपने पहले से कोई लोन ले रखा है या क्रेडिट कार्ड से कोई ईएमआई चल रही है, तो उसे समय पर भुगतान करना होता है। अगर कोई समय या ड्यू डेट पर इसका भुगतान नहीं कर पाता है तो उससे उसका क्रेडिट स्कोर कम या बिगड़ सकता है।

क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो हाई होने से आपका क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है। क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो की बात करें तो यह वह रेश्यो होता है जो किसी भी क्रेडिट कार्ड में उपलब्ध उसकी क्रेडिट लिमिट के इस्तेमाल किए गए कुल क्रेडिट का प्रतिशत बताता है। आमतौर पर लोगों को सलाह दी जाती है कि वे इसे कम ही रखें। अगर अधिक जरूरत नहीं है तो आप अपनी क्रेडिट लिमिट का केवल 30 फीसदी ही हिस्सा इस्तेमाल करें। कई लोग एक बार में कई प्रकार के लोन या कई बैंकों के पास लोन के लिए अप्लाई कर देते हैं।

2017 के बाद अब फिर से मुहूर्त ट्रेडिंग में लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। आज से करीब 69 साल पहले यानी 1957 में मुंबई में स्टॉक एक्सचेंज बीएसई से इसकी शुरुआत हुई थी, जो अब हर दिवाली को जारी रहती है।

इस खास ट्रेडिंग सेशन को निवेशक निवेश के नजरिये से शुभ मानते हैं। कई लोग लगभग एक घंटे के इस मुहूर्त ट्रेडिंग में शेयरों की खरीदारी करते हैं। इस बार भी दिवाली वाले दिन यानी 8 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन हुआ। लेकिन, 2017 के बाद ऐसा पहली बार देखा गया कि इस खास अवसर पर मार्केट लाल निशान यानी कि गिरावट में बंद हुआ।

मुहूर्त ट्रेडिंग को शेयर बाजार का हाल क्या रहा: 8 नवंबर 2026 को दिवाली के खास अवसर पर भारतीय शेयर बाजार करीब एक घंटे से अधिक समय के लिए खोला गया। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई पर सामान्य कारोबार सत्र दोपहर 2 बजकर 20 मिनट से 3 बजकर 30 मिनट तक हुआ। इस एक घंटे से



अधिक के कारोबारी सत्र में निवेशकों ने कई शेयरों की खरीदारी और बिक्री की।

मिली जानकारी के मुताबिक, मुहूर्त ट्रेडिंग यानी दिवाली वाले दिन रविवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 81,299 अंकों के ऊंचे स्तर पर खुला। यह शुक्रवार की क्लोजिंग से करीब 300 अंक ऊपर था और इसने 81,442 अंकों का उच्च स्तर छुआ। हालांकि, इसके बाद मुनाफावसूली (प्रॉफिट-टेकिंग) के कारण यह नीचे आ गया और 81,000 के स्तर से भी नीचे चला गया। अंत में, यह 80,999 अंकों पर बंद हुआ, जो दिन भर के हिसाब से 29 अंक की गिरावट दिखाया। वहीं, 50 शेयरों वाले निफ्टी की बात करें तो यह 43.95 अंक या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,986.40 पर बंद हुआ था। अनुसार, 2017 के बाद ऐसा पहली बार हुआ कि दिवाली के खास मौके पर विशेष ट्रेडिंग सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट के साथ बंद हुए। यह सत्र संवत वर्ष 2083 की शुरुआत का प्रतीक है, जो हिंदू कैलेंडर का एक वर्ष है। इसे मुख्य रूप से गुजराती व्यापारी समुदाय मानता है, जिनका शहर के शेयर बाजार पर दबदबा है।पिछली बार (गिरावट के नजरिये से) 2017 में दिवाली पर मुहूर्त ट्रेडिंग में सेंसेक्स 0.59 फीसदी गिरकर 32,389.96 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 0.63 फीसदी गिरकर 10,146.55 पर बंद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, दलाल स्ट्रीट की पुरानी परंपरा है कि दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में, घरेलू निवेशक केवल शेयर खरीदते हैं। भले ही वह सिर्फ एक शेयर ही क्यों न हो और उन्हें कभी भी शेयर बेचने नहीं चाहिए। इसलिए, आमतौर पर मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र के दौरान प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद होते हैं, भले ही यह बढ़त मामूली ही क्यों न हो। हालांकि, इसके कुछ अपवाद भी रहे हैं। और, इस बार संवत वर्ष 2083 की शुरुआत के लिए रविवार का सत्र उन्हीं दुर्लभ अपवादों में से एक था।

स्कॉच हुई सस्ती तो शुरू हो गई देशी व्हिस्की बनाने वालों की मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। आपको जानकारी होगी ही कि भारत और यूके में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ है। इसके लागू होने के बाद भारतीय राज्यों में स्कॉच व्हिस्की की कीमतों में 15 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक की कमी आ गई है। इससे देश में ही उम्दा क्वालिटी की व्हिस्की बनाने वाली कंपनियों के पसीने छूट रहे हैं। इनका कहना है कि जब इंपोर्टेड लिकर पर आपने ड्यूटी घटाई तो देशी व्हिस्की पर भी तो



एक्साइज ड्यूटी कम करें। उन्होंने सरकार से लेवल प्लेइंग फील्ड की मांग की है। भारत और यूके बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट इसी साल 15 जुलाई से लागू हो गया है। इसके लागू होते ही यूके में बोतलबंद स्कॉच व्हिस्की और जिन के भारत में आयात पर कस्टम ड्यूटी 150 फीसदी से घट कर 75 फीसदी हो गया है। कालांतर में यह ड्यूटी और कम होगी और एक जनवरी 2036 तक यह घट कर महज 40 फीसदी रह जाएगी। घरेलू बाजार में क्या हुआ असर भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते से भारतीय बाजारों में स्कॉच व्हिस्की की कीमतों में 15 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक की कमी आ गई है। यह विभिन्न राज्यों की नीतियों और वहां के ड्यूटी स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसके बाद भारतीय कंपनियों की बनाई व्हिस्की की बिक्री पर असर पड़ा है। शराब का अक्सर सेवन करने वाले राम सूरत का कहना है अब तो पियक्कड़ों की मौज है। देशी व्हिस्की से कुछ पैसे ज्यादा खर्च करो तो इंगलिश का मजा मिलता है। अब हम देशी पर पैसे क्यों खर्च करें भारत में अल्कोहलिक बीवरेज बनाने वाली कंपनियों का एक संगठन है सीआईएबीसी। इसका कहना है कि वह सरकारी नीतियों का विरोध नहीं करते हैं। लेकिन लेवल प्लेइंग फील्ड की मांग जरूर करते हैं। संगठन का कहना है कि जब आप आयातित शराब पर ड्यूटी कम कर सकते है।

संपादकीय

चीन से मुकाबले के लिए भारत को क्यों बदलनी होगी रणनीति?

आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। विश्व भर में युद्ध का स्वरूप समय के साथ तेजी से बदल रहा है। पहले युद्ध में सैनिकों की संख्या, हथियारों की मारक क्षमता, टैंकों, तोपों और लड़ाकू विमानों की भूमिका निर्णायक मानी जाती थी। मगर अब आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से युद्ध की रणनीति और लड़ने के तरीके, दोनों बदल रहे हैं। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ, साइबर हमले, उपग्रह निगरानी, रोबोटिक हथियार और उन्नत मिसाइल जैसी रक्षा प्रणालियां युद्ध के नए साधन बन गए हैं।ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पड़ोसी मुल्क चीन की बढ़ती तकनीकी और सामरिक क्षमताओं से मुकाबला करने की है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कई बार टकराव में तब्दील हुआ है। खबरों के मुताबिक, डोकलाम और गलवान के घटनाक्रमों के बाद अब अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना की हलचल बढ़ी है।आइटीबीपी के महानिदेशक ने बीते गुरुवार को एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि चीन के साथ पारंपरिक युद्ध के तरीकों से मुकाबला करने का दौर बीत चुका है और सुरक्षा बल अपने जवानों, हथियारों, वाहनों और सीमा चौकियों के आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है। आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ की मदद से युद्धक्षेत्र से मिलने वाली सूचनाओं का विश्लेषण करके तेजी से निर्णय लिया जा सकता है।वहीं, साइबर हमलों के जरिए बिजली आपूर्ति, संचार नेटवर्क, बैंकिंग और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। इस बदलाव का अर्थ यह है कि अब किसी देश की सैन्य शक्ति केवल उसके सैनिकों और हथियारों की संख्या से नहीं आंकी जा सकती।तकनीकी दक्षता, खुफिया जानकारी, संचार व्यवस्था और विभिन्न सैन्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। आइटीबीपी चीन के साथ करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। बढ़ती चुनौतियों के बीच इस बल ने अपनी सभी सीमा इकाइयों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मद्देनजर सीमा पर व्यापक भूमिगत ढांचे बनाए जा रहे हैं।

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है

(प्रह्लाद सबनानी)

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावाधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए



जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है।

संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है।

भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके।

आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी।

यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष पर घुमंतू समाज के उस पुरखे को नमन

जिसने गुरु की मर्यादा के लिए अपना घर जला दिया

(प्रभाकर पाठक)

लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी।

चांदनी चौक की उस शाम दिल्ली सहमी हुई थी। 11 नवंबर, 1675 को औरंगज़ेब के आदेश पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हो चुका था। बादशाह चाहता था कि उनकी देह खुले में पड़ी रहे, ताकि कोई सिर उठाने की हिम्मत न करे। उस डर के माहौल में जिसने सबसे पहले हिम्मत दिखाई, वह कोई सेनापति नहीं था। वह रायसीना का एक बंजारा था, जिसका नाम लक्खीशाह था।

हिंद की चादर: मुगल शासन में कश्मीर के पंडितों पर जबरन धर्मांतरण का दबाव था। पंडित कृपा राम के साथ वे आनंदपुर साहिब पहुंचे और गुरु जी से रक्षा मांगी। गुरु जी ने दिल्ली जाने का फैसला किया। उनसे पहले उनके साथी भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी ने बलिदान दिया। फिर गुरु जी ने स्वयं शीश दिया, ताकि इस देश के लोग अपने धर्म पर चलने के अधिकार से वंचित न किए जाएं। इसीलिए उन्हें हिंद की चादर कहा जाता है।

रायसीना का बंजारा: लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी। इसी पहचान ने उस शाम काम किया। भाई जैता जी (भाई जीवन सिंह) गुरु जी का शीश लेकर आनंदपुर साहिब निकल चुके थे, पर देह का प्रश्न बाकी था। आंधी की आड़ में लक्खीशाह रुई की गांठों से लदी बैलगाड़ियां लेकर पहुंचे। अपने बेटों के साथ, जिनमें नगाहिया का नाम आता है, उन्होंने गुरु जी की देह को गांठों के नीचे छिपाया और रायसीना ले आए। सिपाहियों ने एक व्यापारी की गाड़ी समझकर उन्हें जाने दिया।

जब घर ही चिता बना: असली परीक्षा इसके बाद थी। खुले में चिता जलती तो धुआं देखकर सिपाही सीधे पहुंच जाते। लक्खीशाह ने ऐसा रास्ता चुना, जिसकी कल्पना भी कठिन है। उन्होंने गुरु जी की देह को घर के भीतर रखा और घर में आग लगा दी। दुनिया के लिए एक बंजारे का घर जल रहा था। भीतर एक महान संत को अंतिम विदाई दी जा रही थी।

इस फैसले में घर था, परिवार था और प्राणों का जोखिम था। फिर भी उन्होंने एक क्षण नहीं सोचा। बाद में वे आनंदपुर साहिब गए और नौ वर्ष के गुरु गोबिंद राय, यानी भविष्य के गुरु गोबिंद सिंह जी को पिता के संस्कार की खबर दी। जहां यह संस्कार हुआ, वहां आज संसद भवन के पास गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब है। 1680 में लक्खीशाह का निधन हुआ।

घुमंतू समाज का गौरव: लक्खीशाह उस समाज के प्रतिनिधि हैं, जिसने सदियों तक भारत को जोड़े रखा। जब न पक्की सड़कें थीं, न रेल, तब बंजारों के काफिले नमक, अनाज और कपड़ा लेकर जंगल, घाटी और रेगिस्तान पार करते थे। सेनाओं तक रसद इन्हीं के सहारे पहुंचती थी। जहां तांडा, यानी चलती-फिरती बस्ती, डेरा डालता, वहां कुएं और सराय बनते थे।

आज भी बंजारा बस्तियों में बुजुर्ग अपने पुरखों का नाम सम्मान से लेते हैं। लक्खीशाह का नाम आते ही उनकी आंखों में चमक आ जाती है। यह गर्व उधार का नहीं है। यह उस पूर्वज का गौरव है, जिसने अपने समय की सबसे बड़ी चुनौती में समाज की ओर से सबसे बड़ा त्याग किया। बच्चे यह कथा किताबों में नहीं, बड़ों की जुबानी सुनते हैं और सीना तानकर बड़े होते हैं।

साझी विरासत: यह प्रसंग हिंदू समाज की साझी विरासत है। सिख पंथ का उदय मुगल अत्याचार से धर्म की रक्षा के लिए हुआ और वह हिंदू धर्म का ही अंग है। कश्मीरी पंडितों ने रक्षा मांगी, गुरु जी ने बलिदान दिया, भाई जैता जी ने शीश आनंदपुर पहुंचाया और एक बंजारे ने देह को सम्मान दिलाया। बंजारा समाज इसी समाज का अंग है।

पीड़ा भी, संकल्प भी: इतिहास का एक कड़वा पन्ना भी है। जिस समाज ने पीढ़ियों तक देश का व्यापार चलाया, उसे अंग्रेजों ने 1871 के आपराधिक जनजाति अधिनियम में जन्म से अपराधी ठहरा दिया। यह कानून 1952 में हटा और समुदायों को विमुक्त कहा गया, पर सम्मान और अवसर की लड़ाई आज भी अधूरी है। कई घुमंतू परिवार अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार से दूर हैं।

संघ और सेवा भारती- बस्ती-बस्ती तक सेवा: इस कमी को भरने का काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और सेवा भारती जैसे संगठन कर रहे हैं। वे उन बस्तियों तक पहुंचते हैं, जहां आम तौर पर कोई नहीं पहुंचता। शाम की पाठशालाओं और संस्कार केंद्रों में पढ़ाई से छूटे बच्चे लौटते हैं। स्वास्थ्य शिविर लगते हैं। महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई और हस्तशिल्प का प्रशिक्षण मिलता है और स्वयं सहायता समूह बनते हैं। स्वयंसेवक आधार, बैंक खाता और प्रमाणपत्र बनवाने में परिवारों की मदद करते हैं, ताकि वे सरकारी योजनाओं तक पहुंच सकें। यह सेवा किसी जाति या पंथ को देखकर नहीं होती। मकसद इतना है कि हर परिवार सम्मान के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो, यानी स्वावलंबी बने। लक्खीशाह ने चुपचाप सेवा की थी, स्वयंसेवक भी उसी प्रकार मौन तपस्वी बनकर सम्पूर्ण समाज की सेवा कर रहे है।

उप्र 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं।

(ललित गर्ग)

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं



सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है।

इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी।



कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पड़ने पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।





हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

वोकेशनल कोर्स के माध्यम से अपने करियर को नए मुकाम तक पहुंचाएं

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल



इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग



फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।

इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग



फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपर्टस की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग



फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुड़कर काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।



क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर



टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुड़कर नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

कार के साथ जलकर कोयला बन गए शव,दीपावली मनाने के बाद परिजनों को बिना बताए जा रहे थे हरिद्वार

हाईवे पर हाहाकार... मुजफ्फरनगर में हादसा, जिंदा जल गए छह युवक

पसरा मातम, मृतकों में दो सगे भाई शामिल

एजेंसी| मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर के तितावी थाना क्षेत्र में पानीपत-खटीमा हाईवे के बघरा बाईपास पर 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ रही हुंडई औरा कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई, फिर उछलकर दूसरी तरफ जा गिरी। इसके बाद कार में आग लग जाने से हरियाणा के हांसी जिले के राखी गढ़ी और मोठ गढ़ी के दो सगे भाइयों समेत छह दोस्तों की जिंदा जलकर मौत हो गई।

एसएसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि हादसे की सूचना सोमवार तड़के चार बजकर 50 मिनट पर पुलिस को मिली। हाईवे से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को जानकारी दी। अनियंत्रित कार बिजली के खंभे और डिवाइडर से टकराई और दूसरी साइड जाकर पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस, दमकल विभाग और एफएसएल टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। कार सवार छह लोगों की मौत हो गई।



सभी मृतकों की पुलिस ने की पहचान: पुलिस ने सभी मृतकों की पहचान कर ली है। इसमें अजय (22) पुत्र शमशेर निवासी मोठ गढ़ी, हांसी हरियाणा, अमन (24) पुत्र रामफल,निवासी मोठ गढ़ी हांसी, राहुल (21) पुत्र समुन्द्र, निवासी राखी गढ़ी हांसी, अंकित (19) पुत्र समुन्द्र निवासी राखी गढ़ी हांसी, साहिल (24) पुत्र सोमकुमार निवासी राखी गढ़ी हांसी और अंकित (23) राजेश निवासी राखी गढ़ी हांसी शामिल हैं।

गांगा स्नान के लिए जा रहे थे

दोस्तों ने पहले अपने-अपने घरों पर दिवाली मनाई। इसके बाद वे बिना बताए कैब बुक कर हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए निकल पड़े। अनियंत्रित कार तितावी थाना क्षेत्र में पहुंचते ही डिवाइडर से टकराकर पलट गई और आग लग गई। सभी मृतक युवा हैं और उनकी उम्र 19 से 24 वर्ष के बीच है। वहीं शव जलकर कोयला बन चुके थे। शवों को पीएम के लिए भेजा गया है।

बस खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसा

इधर, लखनऊ में आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह यात्रियों से भरी बस पलटकर 40 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। 40 से ज्यादा यात्री गंभीर घायल हुए। इनमें छोटे-छोटे बच्चे भी रहे। पुलिसवाले बच्चों को गोद में लेकर एंबुलेंस में बैठाते नजर आए। बिहार नंबर की लग्जरी बस राजस्थान के भिवाड़ी से छपरा (बिहार) जा रही थी। सभी लोग छठ पर्व के लिए अपने-अपने घर जा रहे थे। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर पारा थाना क्षेत्र में जीरो पॉइंट पर हुआ। 50 से ज्यादा पुलिस की टीम ने रेस्क्यू किया। शुरुआती जांच में हादसे की वजह टायर फटना बताई गई। घायलों में महाराजगंज, देवरिया, आजमगढ़ के साथ बिहार के कई लोग भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 50-55 यात्री बस में सवार थे। इनमें 45 बुरी तरह घायल हुए हैं। जिन तीन यात्रियों की मौत हुई, उनमें 2 की शिनाख्त हुई है, 1 मृत पुरुष की पहचान नहीं हो पाई है। मरने वालों में छपरा के शंकर रज्जक (63) और शामली राय (43) के साथ एक अज्ञात भी है।

चित्रकूट में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, चार श्रद्धालुओं ने तोड़ा दम

उधर, चित्रकूट में दिवाली पर दिये जलाकर लौट रहे चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। 12 लोग गंभीर घायल हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली में कुल 20 लोग सवार थे। दिवाली मनाने के बाद वापस मध्य प्रदेश के रीवा और प्रयागराज जा रहे थे। रास्ते में अचानक ट्रॉली चलते ट्रैक्टर से अलग हो गई और बेकाबू होकर पलट गई। ट्रॉली में बैठे लोग दब गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। ट्रॉली में बैठी कुछ महिलाएं किसी तरह पास के गांव पहुंचीं और मदद के लिए कुछ लोगों को लेकर आईं। ग्रामीणों ने ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को खींचकर बाहर निकाला। पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी रामनगर पहुंचाया, जहां चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बदायूं: सांस नली में गुब्बारा फंसने से बच्ची की मौत

दीपावली पर नानी के घर आई थी मासूम



एजेंसी| बदायूं

बदायूं के उद्यैती इलाके में एक हादसे से दिवाली की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गईं। नानी के घर दिवाली मनाने आई 10 साल की नंदिनी की सांस नली में गुब्बारा फंसने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। उघैती के सराह बरौलिया गांव निवासी भुवनेश परिवार के साथ दिल्ली के दादरी रहककर खेती किसान करते हैं। भुवनेश की शादी गढ़ौली गांव से रामदयाल मौर्य की बेटी देववती से हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। तीन में दो बेटे बड़े हैं। जबकि बेटी नंदिनी 10 सबसे छोटी थी। वह भी दिल्ली में कक्षा में चार में पढ़ती थी। एक माह पहले नंदिनी अपनी नानी के घर आई थी। परिजनों के अनुसार सोमवार सुबह नंदिनी घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी। बच्चे गुब्बारा फुला रहे थे।

गले में चिपका गुब्बारा

नंदिनी भी गुब्बारा फुलाने लगी। इसी दौरान गुब्बारा हवा निकलने पर अचानक से उसके गले में चिपक गया। इससे सांस लेने की दिक्कत होने लगी। वह छटपटाने लगी। बच्चों के शोर मचाने पर परिवार वाले मौके पर पहुंचे। परिजन बच्ची को बिल्सी के निजी डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

तेलंगाना सूखे से जूझ रहा, सरकार मूसी रिवरफ्रंट को दे रही प्राथमिकता

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने सोमवार को सीएम ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे समय में जब तेलंगाना सूखे की स्थिति से जूझ रहा है, सरकार मूसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना को प्राथमिकता दे रही है। एक्स पर एक पोस्ट में केटीआर ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जनता की वास्तविक भागीदारी के बिना ही जनसुनवाई आयोजित कर ली। उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने से पहले ही परियोजना के लिए बोलियां आमंत्रित कर ली गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने सवाल किया कि बिना जनता के जनसुनवाई, बिना डीपीआर के ही परियोजना के लिए बोलियां मंगाई जा रही हैं! और विडंबना यह है कि सूखे के बीच सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

पाक का हिंदू समुदाय हमारे राष्ट्रीय ताने-बाने का एक अहम हिस्सा: शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने रविवार को दिवाली के मौके पर देश के हिंदू समुदाय की जमकर तारीफ की। उन्होंने पाकिस्तान के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में हिंदू समुदाय के योगदान को अहम बताया, साथ ही उन्होंने सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता, समान अधिकार और सम्मान देने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। पीएम शरीफ ने अपने कार्यालय की ओर से जारी संदेश में कहा कि पाकिस्तान का हिंदू समुदाय हमारे राष्ट्रीय ताने-बाने का एक अहम हिस्सा है। देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में उसका अमूल्य योगदान तारीफ का हकदार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता पर गर्व है।

उप मुख्यमंत्री बोले-नशे की भी होगी जांच

अब एक्सप्रेसवे पर जाने से पहले चालकों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण



एजेंसी| लखनऊ

आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण बस हादसे के बाद सरकार ने सभी एक्सप्रेसवे पर वाहन चालकों की जांच कराने की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। अब एक्सप्रेसवे पर वाहन ले जाने से पहले चालक का स्वास्थ्य परीक्षण होगा। इसमें यह भी जांच होगी कि चालक ने किसी मादक पदार्थ का सेवन तो नहीं किया है। साथ ही वाहनों की तय गति सीमा का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को इस संबंध में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, परिवहन आयुक्त, यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और यूपी राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा है। उन्होंने आगरा एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट पर हुए बस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।पाठक ने कहा- प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहनों की गति सीमा का सख्ती से पालन कराया जाए। इसके लिए समय-समय पर वाहन चालकों की काउंसिलिंग भी कराई जाए। साथ ही प्रत्येक वाहन को एक्सप्रेसवे पर प्रवेश देने से पहले चालक का स्वास्थ्य परीक्षण कराने की व्यवस्था बनाई जाए।

एनसीपी के दोनों गुट के एक होने की अटकलें तेज

पार्थ ने की शरद पवार से मुलाकात

एजेंसी| मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो गुटों के विलय की अटकलें तेज हो गई हैं। डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के बड़े बेटे और एनसीपी के महासचिव पार्थ पवार ने रविवार को लगातार दूसरे दिन मुंबई स्थित एनसीपी प्रमुख शरद पवार के आवास पर उनसे मुलाकात की। यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि दोनों गुट एक बार फिर एक हो सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन मुलाकातों के बाद शाम को शरद पवार ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक अलग बैठक भी की, जिसमें जयंत पाटिल, शशिकांत शिंदे, अमोल कोल्हे, अनिल देशमुख और जितेंद्र आव्हाड जैसे दिग्गज शामिल थे। यह अहम बैठक करीब तीन घंटे तक चली, और इसमें शामिल नेता पहले भी विलय से जुड़ी बातचीत का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, जयंत पाटिल ने इन मुलाकातों को सामान्य बताते हुए कहा कि एनसीपी नेता केवल अपने पार्टी प्रमुख से मिलने पहुंचे थे, क्योंकि उन्हें शनिवार को ही अस्पताल से छुट्टी मिली थी, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में इन मुलाकातों को केवल शिष्टाचार भेंट मानना मुश्किल है। इससे पहले, एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल भी



मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती शरद पवार से मुलाकात कर चुके हैं, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। प्रफुल्ल पटेल की 10 नवंबर को भी शरद पवार से मुलाकात प्रस्तावित है, जो विलय की अटकलों को और हवा दे रही है।

बताया जा रहा है कि अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के अंदर मतभेद उभर रहे हैं। इससे पहले प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे और समीर भुजबल समेत सात एनसीपी नेताओं ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक की जानकारी न तो पार्थ पवार को थी और न ही पार्टी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार को।

जनता दर्शन: चिंता मत करिए होगा हर समस्या का समाधान

सीएम ने सुनीं 125 लोगों की समस्याएं, बोले



एजेंसी| गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में सोमवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में 125 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने एक-एक फरियादी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें जानीं और प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि चिंता मत करिए, सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें। शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए। वहीं जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ भी पहुंची थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह और आशीर्वाद दिया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट भी दी और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

फरियादियों के पास पहुंचे योगी

दिवाली के दिन रविवार को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने जनता दर्शन किया। यहां फरियादियों को कुर्सियों पर बैठाया गया था। मुख्यमंत्री खुद उनके बीच पहुंचे और एक-एक कर सभी की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रार्थना पत्र लेकर मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हर हाल में करनी है गौवंश की रक्षा

इधर, गोरखपुर में सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गौशाला में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद उन्होंने गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और अपने हाथों से गुड़-केला खिलाया। उन्होंने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर हाल में गाय की रक्षा करनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमहत्ता को प्रतिष्ठित करने वाली परंपरा के निर्वहन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार 7,700 से अधिक गौशालाओं के माध्यम से निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन का कार्यक्रम चला रही है। इन गौशालाओं में 16 लाख से अधिक निराश्रित गौवंश संरक्षित हैं। सरकार का प्रयास है कि गोवंश को सुरक्षित और सम्मानजनक स्थान मिले।

विधानसभा चुनाव में 80 : 20 का फॉर्मूला अबकी बार यूपी में भाजपा 350 के पार

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- दंगा-माफिया राज के समर्थक नहीं देंगे वोट

एजेंसी| लखनऊ

यूपी में 2027 के विस चुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमाने लगा है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक साक्षात्कार के दौरान पार्टी के चुनावी एजेंडे को स्पष्ट करते हुए बड़ा बयान दिया है। सीएम ने विधानसभा चुनाव को 80:20 का मुकाबला करार दिया और दावा किया कि भाजपा गठबंधन 350 से अधिक सीटें हासिल करने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 80 फीसदी जनता सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के मुद्दे पर भाजपा के साथ है, जबकि महज 20 फीसदी लोग ही विपक्ष के पक्ष में जाएंगे। सीएम योगी ने 20 फीसदी के वर्ग को परिभाषित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि जो लोग अराजकता, दंगे, कर्फ्यू और माफिया राज के पैरोकार हैं, वही इस 20 प्रतिशत हिस्से में शामिल हैं और भाजपा का विरोध करेंगे।

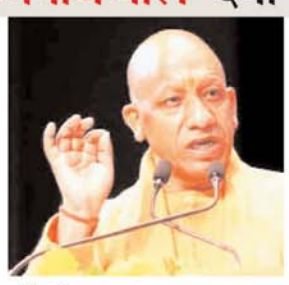

उपद्रवियों की खैर नहीं

सीएम ने कह-जो राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाने, उपद्रव फैलाने, भारत की सनातन आस्था, पवित्र तीर्थ स्थलों या महापुरुषों का अपमान करने का प्रयास करेंगे, उन्हें सरकार की ओर से सख्त और कड़ा जवाब दिया जाएगा। भजपा गठबंधन सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई को मुख्य मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरेगा।

भाजपा ने जीता भरोसा

सीएम ने कहा-सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के जनता तक पहुंचाया गया है। रोजगार के नए अवसरों के सृजन और राज्य में भारी निवेश के जरिए यूपी को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे जनता का भरोसा लगातार भाजपा पर मजबूत हुआ है।

अभिजीत ने प्रदूषण का ठीकरा आम लोगों के सिर पर फोड़ा

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन देश के कई प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता खराब होने के बीच सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदूषण की स्थिति पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इसके लिए आम लोगों की भूमिका को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे लोग कभी नहीं देखे जो अपनी जिंदगी को खुद ही बदहाल करने पर इस कदर आमादा हों। दीपके ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर साझा की है। उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दिवाली के बाद कई शहरों में वायु गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई। एक्यूआई डॉट इन के लाइव डैशबोर्ड का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट में बताया गया, कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। यहां पीएम10 का स्तर 607 तक दर्ज किया गया।

गंभीरता से कार्रवाई हो

अलग-अलग मामलों से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजे। उन्होंने निर्देश दिया कि हर शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई हो और पीड़ित को समाधान से संतुष्ट किया जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद मरीजों के उच्चस्तरीय इलाज के लिए जल्द से जल्द इस्टीमेट तैयार कराकर उपलब्ध कराया जाए।

कटौती

मनमानी पर सरकार की लगाम: 83 हजार वाली दवा अब मिलेगी 37,358 रुपए में, देशभर में नई दरें लागू

आहत को राहत! अब आधी कीमत पर मिलेगी स्तन कैंसर की दवा

एजेंसी| नई दिल्ली

- 600 ब्रांड्स ने 50 फीसदी से ज्यादा घटाए दाम, जनता की होगी 3,500 करोड़ से अधिक की बचत
- ट्रेड मार्जिन 30 फीसदी तय 1,200 से अधिक फॉर्मूलेशन पर घटी एमआरपी, 96 प्रतिशत तक की गिरावट

केंद्र सरकार ने कैंसर रोगियों को दीपावली पर बड़ी राहत दी है। कैंसर रोधी दवाओं की कीमतों में कटौती की गई है। संशोधित कीमतें सोमवार से लागू हो गयीं हैं। इसके तहत अलग-अलग ब्रांड्स की 1,000 से अधिक दवाओं की कीमतों में बड़ी कटौती की गयी है। 83,520 रुपए की स्तन कैंसर की दवा अब ग्राहकों को 37,358.35 में ही मिलेगी। केंद्र का दावा है कि इस फैसले से कैंसर पीड़ितों को सालाना 3,502.31 करोड़ से अधिक की बचत होगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की ओर से गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर 17 अक्टूबर 2026 को 137 कैंसर रोधी दवाओं की अधिकतम खुदरा मूल्य पर ट्रेड मार्जिन की सीमा तय कर दी थी। अब इन दवाओं की संशोधित दरें प्रभावी हो गयी हैं।



600 ब्रांडों ने 50 प्रतिशत की कटौती की रिपोर्ट

7 नवंबर 2026 तक 76 फार्मास्युटिकल कंपनियों ने 121 दवाओं को कवर करने वाले 1,225 कैंसर रोधी फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित न्यूनतम मूल्य की रिपोर्ट दी थी। कैंसर रोधी दवाओं के 1,031 फॉर्मूलेशन में एमआरपी में कमी की गयी है। इसमें 600 ब्रांडों ने 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती की रिपोर्ट दी है। सबसे अधिक कटौती 96.45 फीसदी रही है। चिह्नित की गयी 137 कैंसर रोधी दवाओं में से 10-15 दवाएं ऐसी भी हैं, जो अब तक भारत में लॉन्च नहीं हुई हैं। हालांकि, ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन इन दवाओं पर भी लॉन्च होते ही लागू हो जाएगा।

कीमत नहीं बढ़ा सकेंगी कंपनियां

डीजीएचएस ने कहा-दवा बनाने वाली कंपनियां साल में दवा की कीमतें बढ़ा सकती हैं। हालांकि, उन्हें 30 फीसदी ट्रेड मार्जिन के नियम का पालन करना होगा। यानी दवा की कीमत 30 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेगी। इतना ही नहीं, हर खुदरा विक्रेता, डीलर, अस्पताल और संस्थान के लिए कैंसर रोधी दवाओं की संशोधित कीमतों की जानकारी देनी होगी।

'फार्मा सही दाम' एप्लिकेशन

उपभोक्ता 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन और एनपीपीए की वेबसाइट के माध्यम से लागू दरों की जांच कर सकते हैं। संशोधित दरों के किसी भी उल्लंघन या गैर-अनुपालन की रिपोर्ट अधिकारियों को दर्ज करा सकते हैं।

मुंबई में 700 ग्राम के जन्मे शिशु को चिकित्सा के बाद मिला जीवन

मुंबई। मुंबई के केईएम अस्पताल ने नवजात शिशु देखभाल के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल की है, जहां समय से पहले जन्मे केवल 700 ग्राम के एक बच्चे को पांच महीने की गहन चिकित्सा के बाद नया जीवन मिला है। जन्म के समय नाजुक हालत में रहे इस शिशु को बीएमसी द्वारा संचालित अस्पताल के एनआईसीयू में भर्ती कराया गया था। जब बच्चे का वजन बढ़कर 3.3 किलोग्राम हो गया और उसकी हालत पूरी तरह से स्थिर थी, तो उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल ने एक बयान में पुष्टि की कि बच्चा अब पूरी तरह से मां का दूध पी रहा है। नियोनेटोलॉजी विभाग की प्रमुख की देखरेख में पूरी की गई। इसमें बच्चे को कई जानलेवा जटिलताओं से जूझना पड़ा, जिसके लिए लगातार गहन देखभाल और श्वसन सहायता की जरुरत थी। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की समर्पित टीम, कई विशेषज्ञों की समन्वित देखभाल और चौबीसों घंटे निगरानी के अथक प्रयासों से इन जटिलताओं पर काबू पाया। अस्पताल ने इस सफलता को अपनी एनआईसीयू सुविधाओं की गुणवत्ता, डॉक्टरों की विशेषज्ञता, उत्कृष्ट टीम वर्क और मरीजों के प्रति निरंतर देखभाल की सामूहिक शक्ति का प्रमाण बताया है।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

राहुल के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव को सही नहीं मानते दिग्गज



मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम में हुए बदलाव को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ विशेषज्ञों ने टीम प्रबंधन के इस फैसले पर निराशा जतायी है। वहीं अन्य दिग्गजों ने इसे एक सोची-समझी रणनीतिक चाल बताया है। यह बहस तब शुरू हुई जब भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 39 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। रही थी और इस नाजुक स्थिति में केएल राहुल से पहले ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। इस मैच में अक्षर विफल रहे थे। हालांकि उन्होंने पहले भी कठिन हालातों में में बल्लेबाजी संभाली थी पर इस बार वह न्यूजीलैंड के धारदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने बेबस दिखे। पिच की असमान उछाल और शॉर्ट-पिच गेंदों के सामने वह टिक नहीं पाये और 17 गेंदों में केवल सात रन ही बना पाये। वहीं गए जब अक्षर के आउट होने के बाद राहुल क्रीज पर आए, तो पिच पर काफी सहज नजर आए, जहां दोनों टीमों के ज्यादातर बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हो रही थी। राहुल के इस प्रदर्शन ने उन्हें बल्लेबाजी क्रम में इतना नीचे भेजने के फैसले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज रहमान के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड



शारजाह। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट मैच में अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज जिया-उर-रहमान के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिसे वह भूलना चाहेंगे। इस मैच में रहमान ने अपनी गेंदबाजी के दौरान कुल 343 रन दिये और वह 149 साल के टेस्ट इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन दिए हैं। 28 रहमान ने इस ऐतिहासिक मैच में कुल चार विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 170 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 173 रन देकर दो विकेट लिए। इस तरह, अफगानिस्तान के लिए अपना छठा टेस्ट मैच खेल रहे रहमान ने कुल 343 रन देकर सभी को हैरान कर दिया। गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट का पहला मैच 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ था तब से लेकर आज तक, किसी भी गेंदबाज ने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 150 या उससे अधिक रन नहीं दिए थे। . वहीं रहमान 343 रन देकर एक अनचाहे क्लब का हिस्सा बन गये हैं।

वेस्टइंडीज-बांग्लादेश टेस्ट ड्रॉ होने से डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में आया बदला

सिलहट । बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच यहां खेले गये दूसरे और अंतिम टेस्ट के ड्रॉ होने से वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस परिणाम से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की अंकतालिका में भी बदलाव आया है। भारतीय टीम के स्थान में हालांकि कोई बदलाव नहीं आया है और वह चौथे स्थान पर ही बरकरार है। इस ड्रॉ के कारण, डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में वेस्टइंडीज का प्रतिशत अंक (पीसीटी) 26.92 से बढ़कर 27.38 हो गया है, जिससे वह फिलहाल 9 टीमों की तालिका में आठवें स्थान पर है। कैरेबियन टीम इस सूची में श्रीलंका से थोड़ा पीछे है, जो 33.33 पीसीटी के साथ सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश के लिए यह ड्रॉ निराशाजनक रहा, क्योंकि उसका पीसीटी 47.62 से घटकर 45.83 रह गया है। इस गिरावट ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को और भी झटका दिया है।

टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन बनाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने टेस्ट क्रिकेट में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट फॉर्मेट में 7000 रन पूरे करने वाले बांग्लादेश के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह ऐतिहासिक कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ सिल्हट में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हासिल किया। इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाते ही रहीम ने 7000 टेस्ट रनों का आंकड़ा छू लिया।

यूएई को 70 रन से हरा भारत सेमीफाइनल में

310 रन के लक्ष्य के सामने 239 पर ऑलआउट हुई टीम, आर्यवीर और ईशान चमके



अल अमीरात । भारत ने अंडर-19 एशिया कप में यूएई को 70 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। आर्यवीर सहवाग ने 160 रन बनाए, जबकि ईशान सूद ने चार विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय अंडर-19 टीम ने शानदार वापसी करते हुए यूएई को 70 रन से हराकर अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 309 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 50 ओवर में 239 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत की इस जीत के हीरो आर्यवीर सहवाग रहे, जिन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेली। अब सेमीफाइनल में गुरुवार को भारत का सामना अफगानिस्तान से होगा।

पिछले मैच में मिली थी हार

पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में हार के बाद भारतीय टीम के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी था। ऐसे में आर्यवीर सहवाग ने जिम्मेदारी संभालते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। आर्यवीर ने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए। उनकी पारी में 17 चौके और सात छक्के शामिल रहे। यह यूथ वनडे में उनका पहला शतक है। शुरुआत में संभलकर खेले आर्यवीर आर्यवीर ने पारी की शुरुआत में काफी धैर्य दिखाया। उन्होंने 14 गेंद खेलने के बाद अपना खाता खोला। इसके बाद धीरे-धीरे लय हासिल की और यूएई के गेंदबाजों पर हमला बोलना शुरू किया। उन्होंने 69 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद 131 गेंदों पर तीन अंकों का आंकड़ा छुआ। शतक पूरा करने के बाद आर्यवीर ने और आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अगली 60 रन की पारी महज 37 गेंदों में पूरी की। इस दौरान मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए। आखिरकार उन्हें नसीम खान ने मिडविकेट पर कैच आउट कराया। वीके विनीत ने भी खेली अहम पारी आर्यवीर के अलावा वीके विनीत ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 69 गेंदों पर 67 रन बनाए। वहीं, अन्वय द्रविड़ ने नौ गेंदों पर 12 रन की पारी खेली, जिसमें एक शानदार छक्का शामिल रहा। इन पारियों की बदौलत भारत ने यूएई के सामने 310 रन का लक्ष्य रखा। 239 रन पर सिमटी यूएई की टीम 310 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। हालांकि, अहमद खुदाबाद ने 74 गेंदों पर 74 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर में 239 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से ईशान सूद ने चार विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई।

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से भिड़ेगा भारत

यूएई के खिलाफ इस जीत के साथ भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब गुरुवार को सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत अफगानिस्तान से होगी। पाकिस्तान के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी चुनौती बरकरार रखी है।

आर्यवीर सहवाग ने 19 एशिया कप में मचाया तहलका

भारत और यूएई के बीच अंडर-19 एशिया कप का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में इंडिया 19 टीम के सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग ने शानदार शतक लगाया है। उन्होंने 131 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। अंडर-19 एशिया कप में आज टीम इंडिया का सामना यूएई से हो रहा है। इस मैच में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत इस मैच अच्छी रही। पहले विकेट के लिए लक्ष्य राज चंदानी और आर्यवीर सहवाग के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। लक्ष्य के आउट होने के बाद आर्यवीर सहवाग ने अपनी बल्लेबाजी जारी रखी और अंत में उन्होंने 131 गेंदों में शानदार शतक लगाया। बता दें कि पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में अर्जुन राजपूत ने शतक लगाया था। 19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने लगाया पहला शतक भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ अपनी शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 13 शानदार चौके और 2 छक्के भी लगाए। इस टूर्नामेंट में यह उनका पहला शतक है। इससे पहले उन्होंने नेपाल के खिलाफ मुकाबले में 70 रनों की नाबाद पारी खेली थी, हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वह सिर्फ 22 रन ही बना पाए थे और उनका बल्ला नहीं चल सका था।

आईपीएल 2027 को लेकर बड़ा दावा, हार्दिक पांड्या और अर्शदीप सिंह का ट्रेड फाइनल!

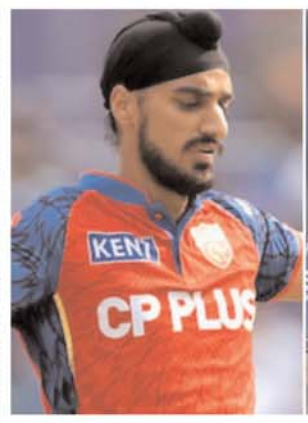



नईदिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह के ट्रेड को बीसीसीआई की मंजूरी मिलने की खबर है। जानिए किस टीम से खेलेंगे दोनों खिलाड़ी और कितनी होगी उनकी सैलरी। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों के ट्रेड को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। इस ट्रेड के बाद हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स और अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आधिकारिक मंजूरी आज दोपहर के आसपास मिली। इसके बाद दोनों फ्रेंचाइजी को बीसीसीआई की ओर से सूचना दे दी गई। अब बीसीसीआई की मंजूरी मिलने के बाद इस बड़े ट्रेड की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। एमआई को कौन से 2 प्लेयर्स को जरूर करना चाहिए रिलीज? आकाश चोपड़ा ने वजह के साथ बताए नाम आईपीएल फीस में कोई बदलाव नहीं पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए इस ट्रेड से दोनों खिलाड़ियों की आईपीएल की फीस मं कोई बदलाव नहीं होगा। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की फीस 16.35 करोड़ रुपए थी और ट्रेड के बाद भी इतनी ही रहेगी। वहीं पंजाब किंग्स ने अर्शदीप सिंह को 2025 के मेगा ऑक्शन में आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर उन्हें 18 करोड़ रुपए में अपनी टीम में बरकरार रखा था।

बिसावर: एक लाख की इनामी आखिरी कुश्ती



नईदिल्ली। दंगल में 31 हजार रुपये की पहली कुश्ती में खजूरिया के भूपेंद्र पहलवान ने आगरा के सोनू पहलवान को हराया। 41 हजार रुपये की दूसरी कुश्ती कुंडौल के श्यामवीर पहलवान और मथुरा के शिवा पहलवान के बीच हुई, जो बराबरी पर छूटी।

बिसावर की ग्राम पंचायत कजरौठी में दिवाली के अवसर पर कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। एक लाख रुपये की इनामी आखिरी कुश्ती में सूरतिया के हरिकेश पहलवान और पलवल (हरियाणा) निवासी युधिष्ठिर पहलवान का मुकाबला बराबरी पर छूटा। दंगल में दूरदराज से आए नामी पहलवानों ने दांव-पेच दिखाए। कुश्ती देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और कुश्ती प्रेमी पहुंचे। शुभारंभ विधायक प्रदीप चौधरी उर्फ गुड्डू, युवा रालोद नेता प्रवीण पौनियां और बसपा के विधानसभा प्रत्याशी डॉ. अविन शर्मा ने पहलवानों के हाथ मिलवाकर कराया। दंगल में 31 हजार रुपये की पहली कुश्ती में खजूरिया के भूपेंद्र पहलवान ने आगरा के सोनू पहलवान को हराया। 41 हजार रुपये की दूसरी कुश्ती कुंडौल के श्यामवीर पहलवान और मथुरा के शिवा पहलवान के बीच हुई, जो बराबरी पर छूटी। 51 हजार रुपये की तीसरी कुश्ती में बिचपुरी के विश्वजीत पहलवान और हाथरस के हर्ष पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। दंगल का मुख्य आकर्षण एक लाख रुपये की कुश्ती रही। इसमें हरिकेश और युधिष्ठिर पहलवान के बीच काफी देर तक कश्मकश हुई।

ईशा, मनु भाकर और दिव्या की तिकड़ी का कमाल, 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में भारत को दिलाया गोल्ड



नई दिल्ली। आई एसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में ईशा सिंह, मनु भाकर और दिव्या सुब्बाराजू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में 1761 अंकों के साथ भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। भारत की ईशा सिंह, मनु भाकर और दिव्या सुब्बाराजू की तिकड़ी ने मंगलवार को दोहा में आयोजित द्वस्स्न विश्व चैंपियनशिप में कमाल का प्रदर्शन किया। भारतीय तिकड़ी ने महिला 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में कुल 1761 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने साउथ कोरिया की जीन यांग, येजिन ओह और दाजुंग नाम को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया ने 1748 अंकों के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। वही वियतनाम की टीम 1745 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही। भारतीय तिकड़ी का प्रदर्शन भारत की ओर से ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 590 अंक हासिल किए। उन्होंने प्रिसिजन राउंड में 292 और रैपिड राउंड में शानदार 298 अंक बनाए। वहीं, मनु भाकर ने प्रिसिजन में 289 और रैपिड में 298 अंक हासिल कर कुल 587 अंक जोड़े। दिव्या सुब्बाराजू ने प्रिसिजन में 289 और रैपिड में 295 अंक के साथ कुल 584 अंकों का योगदान दिया। इस तरह भारतीय टीम का कुल स्कोर 1761 रहा। ईशा ने प्रिसिजन की तीन सीरीज में क्रमशः 97, 96 और 99 अंक हासिल किए। इसके बाद रैपिड राउंड में उन्होंने 100, 98 और 100 अंक दर्ज किए। मनु भाकर ने प्रिसिजन में 96, 96 और 97 अंक बनाए, जबकि रैपिड में 99, 99 और 100 अंक हासिल किए। दिव्या ने प्रिसिजन में 97, 98 और 94 अंक तथा रैपिड में 98, 99 और 98 अंक दर्ज किए।

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द



हैमिल्टन। बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच रद्द कर दिया गया। हैमिल्टन में मंगलवार को सिर्फ टॉस हो सका। तय किया गया कि मुकाबला 40-40 ओवर का होगा। लेकिन, लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया। यह मैच धुल जाने से इतना तय हो गया है कि टीम इंडिया अब यह सीरीज नहीं हार सकती। पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले भारत जीत चुका है। अब अगर न्यूजीलैंड आखिरी दो मैच जीत भी लेता है तो भी सीरीज बराबर ही होगी। सबसे ज्यादा वनडे रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम वनडे क्रिकेट में बारिश सहित अन्य कारणों से सबसे ज्यादा मैच रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम ही दर्ज है। भारत ने अब तक 1086 वनडे खेले हैं। इनमें से 44 रद्द हुए हैं। न्यूजीलैंड के 860 वनडे में से 44 रद्द हुए हैं।

भारत सीरीज में 2-0 से आगे

हैमिल्टन में लगातार बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द हो गया। मैच रद्द होने के साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिलाते नजर आए। अब सीरीज के बाकी दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। माउंट माउंगानुई में फिलहाल मौसम अच्छा रहने का अनुमान है, ऐसे में बाकी दोनों मैच पूरे होने की उम्मीद है।

मैदान से कवर्स नहीं हटाए गए

हैमिल्टन में अंपायर अब भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे मैदान का इन्स्पेक्शन करेंगे। फिलहाल मैदान से कवर्स नहीं हटाए गए हैं। निरीक्षण के बाद ही मैच को लेकर अगला फैसला लिया जाएगा।

हैमिल्टन में फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू

हैमिल्टन में एक बार फिर हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद बारिश रुक गई। मैदान से कवर्स हटाए जा रहे हैं। मौसम में भी सुधार दिख रहा है और आसमान पहले से साफ नजर आ रहा है। टॉस के दौरान फिर शुरू हुई बूंदाबांदी, पिच को दोबारा ढका

टॉस के दौरान मैदान पर फिर हल्की बारिश शुरू हो गई। पिच को कवर्स से ढक दिया गया है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं।

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय टीम का एलान, सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी



मुंबई। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी सलीमा टेटे महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में करेंगी। हॉकी इंडिया ने 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होने वाले टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित की है। अनुभवी गोलकीपर सविता पुनिया को टीम में जगह नहीं मिली है। की इंडिया ने मंगलवार को मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। मिडफील्डर सलीमा टेटे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह टूर्नामेंट 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नवनिर्मित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नाथू बरखेड़ा में खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछले महीने जापान में आयोजित एशियन गेम्स में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। टीम की कोशिश इस शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करने की होगी।

सविता पुनिया टीम से बाहर

अनुभवी गोलकीपर सविता पुनिया को इस बार भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। उन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। चीन के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में उनका पेनल्टी स्ट्रोक बचाव भारत को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का सीधा टिकट दिलाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ था। उनकी अनुपस्थिति में बंसारी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगी।



सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों में चीन की वांग यूजी महिलाओं के प्रीमिनलरी राउंड में किक लगाती हुई।

सऊद शकील 7 रन से शतक चूके, डेब्यूटेंट साकिब ने 2 विकेट लिए; श्रीलंका 114/3

पाकिस्तान ने पहली पारी 434 रन पर घोषित की



रावलपिंडी। पाकिस्तान ने रावलपिंडी टेस्ट की पहली पारी 434 रन पर घोषित कर दी। टीम ने 106.3 ओवर में 9 विकेट गंवाए। सऊद शकील शतक से 7 रन दूर रह गए। डेब्यू कर रहे तैयब आरिफ, बाबर आजम और मोहम्मद ताहा ने अर्धशतक लगाए। जवाब में श्रीलंका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में 27.1 ओवर में 3 विकेट पर 114 रन बनाए हैं। टीम अभी पाकिस्तान से 320 रन पीछे है। कामिंदु मेंडिस 40 और धनंजय डी सिल्वा 22 रन बनाकर क्रीज पर हैं। पाकिस्तान के लिए डेब्यू कर रहे साकिब खान ने 2 विकेट लिए। खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन खेल समय से पहले रोकना पड़ा।

सऊद शकील और गाजी घोरी ने पारी को संभाला

पाकिस्तान ने 253 रन पर पांचवां विकेट गंवा दिया था। इस समय टीम के सामने चुनौती थी कि निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर बड़ा स्कोर खड़ा किया जाए। सऊद शकील ने विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी घोरी के साथ छठे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। दोनों ने 149 गेंदों तक बल्लेबाजी की। गाजी ने 72 गेंदों पर 48 रन बनाए। वे अर्धशतक से सिर्फ 2 रन दूर थे, तभी दिलशान मदुशंका की गेंद पर पसिंदु सूरियाबंदर ने उनका कैच पकड़ लिया। इसके बाद भी शकील ने पारी आगे बढ़ाई। वे 199 गेंदों पर 93 रन बनाकर असिथा फर्नांडो की गेंद पर आउट हुए। उनकी पारी में 9 चौके शामिल रहे।

अराफात मिन्हास के 52 रन

सऊद शकील के आउट होने के बाद अराफात मिन्हास ने रन बनाने की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 72 गेंदों पर 52 रन बनाए। यह उनका पहला टेस्ट अर्धशतक था। उनकी पारी में 9 चौके और एक छक्का शामिल रहा। मिन्हास ने रजाुल्लाह के साथ आठवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े। रजाुल्लाह 11 गेंदों पर 10 रन बनाकर लाहिरू कुमारा की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद पाकिस्तान ने 434/9 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी।

डेब्यूटेंट तैयब और बाबर की भी फिफ्टी

पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। अजान अवैस और अपना पहला टेस्ट खेल रहे तैयब आरिफ ने पहले विकेट के लिए 86 रन जोड़े। अजान 50 गेंदों पर 30 रन बनाकर मिलन रथनायके की गेंद पर आउट हुए। तैयब ने 51 गेंदों पर 57 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद बाबर आजम ने 58 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। उन्हें दिलशान मदुशंका ने विकेट के पीछे कप्तान कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। मोहम्मद ताहा ने भी 105 गेंदों पर 51 रन बनाए। सलमान आगा 16 रन बनाकर आउट हुए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में करें गुणवत्तापूर्ण निराकरण : कलेक्टर विश्वदीप

प्रधानमंत्री आवास के अधूरे निर्माण जल्द पूरे कराने और समय पर आवास बनाने वाले हितग्राहियों को अन्य योजनाओं से जोड़ने के निर्देश

मूक पत्रिका



बीजापुर। बीजापुर जिले के कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में लंबित शिकायतों, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति और आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारी शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। उन्होंने पिछले एक माह के दौरान निराकृत शिकायतों एवं प्रकरणों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को भी कहा।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं अप्रारंभ आवासों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने तथा अप्रारंभ आवासों का निर्माण शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित निगरानी कर पात्र हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा में पक्के आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि समय-सीमा में आवास निर्माण पूरा करने वाले पात्र हितग्राहियों को बकरी शेड, गाय शेड और डबरी निर्माण सहित शासन की अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। इससे ग्रामीण परिवारों की आजीविका के साधन मजबूत होंगे और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। आवास निर्माण में बाधा दूर करने के लिए रेत, गिट्टी और ईंट जैसी आवश्यक निर्माण सामग्री स्थानीय स्तर पर सुगमता से उपलब्ध कराने की पहल करने के निर्देश भी दिए। आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन, समिति पंजीयन और गिरदावरी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को किसानों को पंजीयन की प्रक्रिया एवं आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी देने तथा समय पर पंजीयन पूरा कराने में सहयोग करने के निर्देश दिए, ताकि किसी पात्र किसान को धान विक्रय में परेशानी न हो।कलेक्टर ने किसानों को समर्थन मूल्य एवं अंतर की बोनस राशि सहित 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जानकारी देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार और जागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में बारदाना, तौल उपकरण, पेयजल, छाया, बैठक व्यवस्था और धान के सुरक्षित भंडारण सहित सभी आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान हितैषी बनाए रखने पर जोर दिया।

पुनर्वास केंद्र में पुनर्वासित माओवादियों से मिले एसपी, प्रशिक्षण और सुविधाओं का लिया जायजा

मूक पत्रिका





बीजापुर। समाज की मुख्यधारा में लौटे पूर्व माओवादियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने मंगलवार को बीजापुर पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कौशल विकास का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुनर्वासितों से मुलाकात कर उनके प्रशिक्षण, अनुभवों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली।पुलिस अधीक्षक ने पुनर्वासितों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उन्हें कौशल प्रशिक्षण का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर पुनर्वासित माओवादियों ने नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से बस्तर में हो रहे बदलाव और विकास की तस्वीर पेश की। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में गांवों तक पहुंच रही सड़क, बिजली, पेयजल, स्कूल, अस्पताल, राशन दुकान और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को दर्शाया। एसपी ने प्रशिक्षण एवं पुनर्वासितों से संबंधी गतिविधियों का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान पुनर्वासितों में उत्साह और सकारात्मकता दिखाई दी। ????? कार्यक्रम आत्मीय माहौल में संपन्न हुआ।

बस्तर फाइटर आरक्षक भर्ती प्रक्रिया का एसपी ने किया निरीक्षण

पारदर्शिता और सुचारु संचालन के दिए निर्देश



मूक पत्रिका

बीजापुर। बस्तर फाइटर आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने मंगलवार को भैरमगढ़ थाने में संचालित भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी ने अभ्यर्थियों के आवेदन फॉर्म जमा करने की व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सुचारु रूप से संपन्न कराने तथा अभ्यर्थियों को आवेदन जमा करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की नई जिला कार्यकारिणी गठित, दिनेश पुजारी बने जिलाध्यक्ष

के. संतोष कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी, 18 नवंबर की तीन सूत्रीय मांगों को लेकर होने वाली आमसभा को सफल बनाने की रणनीति बनाई

मूक पत्रिका



बीजापुर/आशीष पदमवार। सामाजिक एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती के उद्देश्य से सर्व पिछड़ा वर्ग समाज बीजापुर ने नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया है। जिला स्तरीय बैठक में समाज के वरिष्ठजनों और सदस्यों की सहमति से दिनेश पुजारी को जिलाध्यक्ष तथा के. संतोष कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति कर संगठन को गांव, ब्लॉक और जिला स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में आगामी 18 नवंबर को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर प्रस्तावित आमसभा को सफल बनाने के लिए समाजजनों को एकजुट करने और जनसंपर्क अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। नई कार्यकारिणी में बसंत राव ताटी (भोपालपटनम), वेणुगोपाल राव (बीजापुर) और नकुल ठाकुर (भैरमगढ़) को संरक्षक बनाया गया है। वहीं मारुति कापेवार को सचिव तथा मधु कटला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। उपाध्यक्ष पद पर ए. सुधाकर (भोपालपटनम), अशोक राव (बीजापुर), राहुल मारगोनी (कुटरू) और रामकुमार भोगमी (भैरमगढ़) नियुक्त किए गए हैं। सहसचिव की जिम्मेदारी नीलम गणपतराव (भोपालपटनम), पिलूराम पुजारी, नरेंद्र नायक (कुटरू) और रामू पसपुल (गंगालूर) को सौंपी गई है। आशीष पदमवार को मीडिया प्रभारी तथा जगदेव यादव को सूचना एवं प्रचार प्रभारी बनाया गया है।

समाज की एकजुटता और विकास प्राथमिकता : दिनेश पुजारी-नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दिनेश पुजारी ने कहा कि सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की एकता, सामाजिक अधिकारों की रक्षा और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। संगठन को केवल पदों तक सीमित रखने के बजाय समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने समाजजनों से आपसी समन्वय और सहयोग के साथ संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

गांव से जिला स्तर तक संगठन का होगा विस्तार : संतोष कुमार-कार्यकारी अध्यक्ष के. संतोष कुमार ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर समाज के लोगों को जोड़ा जाएगा। युवाओं और वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी के साथ शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और अधिकारों के प्रति लोगों को संगठित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती सामूहिक सहभागिता से ही संभव है और प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से निभानी होगी।

18 नवंबर की आमसभा के लिए जनसंपर्क पर जोर-बैठक में आगामी 18 नवंबर को तीन सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित होने वाली आमसभा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समाजजनों ने अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क की जिम्मेदारी अपने स्तर पर निभाने का संकल्प लिया। विभिन्न क्षेत्रों से समाज के लोगों को आमसभा में शामिल करने के लिए पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाने पर सहमति बनी। बैठक में यह भी तय किया गया कि कार्यकारिणी के शेष पदों पर अगली बैठक में आपसी सहमति से नियुक्तियां की जाएंगी।

स्मार्ट पुलिसिंग से खुली दो करोड़ की कथित लूट की पोल। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों से बेनकाब हुई व्यापारी की साजिश





मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले के नेलसनार थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे-63 पर पांडेमुर्गा के पास ज्वेलरी व्यापारी से करीब दो करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लूटने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। तीन हथियारबंद बदमाशों द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देने की सूचना पर पुलिस ने तत्काल तीन विशेष टीमें गठित कर सरहदी जिलों और राज्य की सीमाओं पर नाकेबंदी की। 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए और करीब 16 घंटे तक तलाश अभियान चलाया गया। हालांकि, जांच में सामने आया कि लूट की पूरी कहानी ही फर्जी थी। पुलिस के मुताबिक, गीदम निवासी ज्वेलरी व्यापारी स्वरूप सोनी ने कर्ज के दबाव से बचने के लिए अपने साथ लूट होने की झूठी कहानी रची थी। एएसपी राहुल बंसल के अनुसार, 9 नवंबर को स्वरूप सोनी भैरमगढ़ स्थित अपनी ज्वेलरी दुकान से तूफान वाहन में गीदम लौट रहे थे। उनके साथ कपड़ा व्यापारी ललित बुरड़ और वाहन चालक देवेंद्र ठाकुर भी मौजूद थे। शाम करीब 6 बजे पांडेमुर्गा के पास जंगल में तीन अज्ञात लोगों द्वारा पिस्टल और चाकूनुमा हथियार दिखाकर वाहन रुकवाने तथा जेवरात, नकदी से भरा बैग और तीनों के मोबाइल फोन लूटने की सूचना दी गई थी। तीनों देर रात नेलसनार थाना पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने तत्काल तीन विशेष टीमें गठित कीं। सरहदी जिलों और राज्य की सीमाओं पर नाकेबंदी कराई गई। एसपी स्वयं पूरे अभियान की निगरानी कर रहे थे। पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

तीनों मोबाइल एक ही जगह मिले, यहीं से गहराया संदेह-जांच के दौरान कथित तौर पर लूटे गए तीनों मोबाइल फोन की लोकेशन हाईवे से लगे जंगल में मिली। पुलिस ने तीनों मोबाइल एक ही स्थान से बरामद किए। खास बात यह थी कि तीनों मोबाइल सुरक्षित और चालू हालत में थे। इस तथ्य से पुलिस का संदेह गहरा गया। इसके बाद व्यापारी, कपड़ा व्यापारी और वाहन चालक से अलग-अलग पूछताछ की गई। तकनीकी साक्ष्यों और बयानों की पड़ताल में कई विरोधाभास सामने आए। पुलिस ने व्यापारी की पृष्ठभूमि खंगाली तो उसके ऊपर काफी कर्ज होने और कर्जदाताओं की ओर से लगातार रकम चुकाने का दबाव बनाए जाने की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, इन तथ्यों के आधार पर पूछताछ करने पर स्वरूप सोनी ने लूट की सूचना को झूठा और मनगढ़ंत बताया। उसने कर्ज चुकाने में असमर्थता के चलते लूट की कहानी गढ़ने की बात स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि इस साजिश में कपड़ा व्यापारी और वाहन चालक को भी शामिल किया गया था और तीनों ने मिलकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया।

पुलिस टीम ने 16 घंटे नाकेबंदी कर सुलझाया मामला-एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में एएसपी राहुल बंसल और भैरमगढ़ एसडीओपी नवीन एक्का के निर्देशन में बीजापुर कोतवाली प्रभारी दुर्गेश शर्मा, भैरमगढ़ थाना प्रभारी गिरीश तिवारी और नेलसनार थाना प्रभारी विवेकानंद पटेल की टीम शामिल रही। एसपी ने आम नागरिकों से अपील की है कि पुलिस को झूठी सूचना देकर गुमराह न करें। ऐसा करना आपराधिक कृत्य है और इस पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

ऐसे खुली दो करोड़ की कथित लूट की कहानी

- 9 नवंबरः पांडेमुर्गा के पास व्यापारी ने करीब दो करोड़ रुपए की लूट की सूचना दी।
- तीन विशेष टीमेंः एसपी ने तत्काल जांच और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित कीं।
- 100 से अधिक सीसीटीवीः घटनास्थल और आसपास के मार्गों के फुटेज खंगाले गए।
- 16 घंटे नाकेबंदीः सरहदी जिलों और राज्य की सीमाओं पर निगरानी रखी गई।
- तीनों मोबाइल बरामदः कथित तौर पर लूटे गए मोबाइल एक ही जगह सुरक्षित और चालू मिले।
- कर्ज का दबावः पुलिस के अनुसार, कर्ज चुकाने में असमर्थता के चलते व्यापारी ने लूट की झूठी कहानी रची थी।हाईवे की सुरक्षा पर भी उठे थे सवालः लूट की शुरुआती सूचना के बाद नेलसनार से भैरमगढ़ के बीच नेशनल हाईवे-63 पर सुरक्षा और पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, जांच में लूट की कहानी फर्जी निकलने के बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया।

फांसी लगा इहलीला की समाप्त, हृदयविदारक घटना से आंखे हुई नम ...

कलेजे के टुकड़े से बिछड़ने के गम में 2 साल बाद टूट गई मां



कोरबा । एक मां के लिए संतान को खोने का दर्द शायद शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जिस बेटे को कभी अपनी आंखों के सामने बड़ा होते देखा, उसी बेटे के बिछड़ने का गम एक मां के दिल में ऐसा घर कर गया कि दो साल बीत जाने के बाद भी वह उस सदमे से उबर नहीं पाई। बेटे की यादें, सूना घर और अकेलेपन का दर्द उसके जीवन पर भारी पड़ता रहा। आखिरकार पुरानी बस्ती रानी रोड इलाके में एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया।शहर के रानी रोड निवासी करीब 50 वर्षीय गीता तंवर उर्फगीता बाई कंवर ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि करीब दो साल पहले उनके बेटे की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से वह लगातार दुखी और परेशान रहती थीं। बेटे के जाने का गम उनके चेहरे और व्यवहार में साफ झलकता था।परिजनों और पड़ोसियों के मुताबिक, दीपावली जैसे खुशियों के त्योहार पर भी उनके मन में बेटे के न होने का दर्द गहरा था। उन्होंने बेटे के बिना घर सूना लगने की बात कही थी। जहां त्योहार पर घर-आंगन रोशनी से जगमगा रहे थे, वहीं उनके जीवन में बेटे की कमी का अंधेरा कम होने का नाम नहीं ले रहा था।

सूने घर में पसरा मातम, पड़ोसियों ने दी पुलिस को सूचना

मिली जानकारी के अनुसार, महिला ने घर के सामने वाले कमरे में लोहे के एंगल से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक घर में कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। अंदर जाकर देखने पर महिला फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई।

पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

मामले में कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्र के रानी रोड में गीता बाई कंवर द्वारा साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि महिला के बेटे की करीब दो वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी और उसके बाद से वह अकेली रह रही थी। सीएसपी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। परिजनों ने बेटे की मौत के सदमे को आत्महत्या की वजह बताया है।

हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एक बेटे के जाने का दर्द, एक मां की खामोशी और पीछे छूट गया सवालज रानी रोड की यह घटना एक परिवार के लिए कभी न भरने वाला जख्म बन गई है। फि लहाल पुलिस की जांच जारी है।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।